वर्ष-10, अंक-146
इन्दौर, सोमवार
26 अगस्त 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

आज श्री कृष्ण जन्माष्टमी है

राष्ट्रीय जनभावना के समस्त पाठकों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रदेश के प्रत्येक नगरीय निकाय में खोले जाएंगे गीता भवन केन्द्र : मुख्यमंत्री

भगवान श्री कृष्ण का जीवन जन्म से लेकर निर्वाण तक कर्म प्रधान रहा, जो हमारे लिए आज भी प्रेरणा पुंज है

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना।

प्रदेश के समस्त नगरीय निकाय में गीता भवन केन्द्र खोले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान और हमारे ग्रंथों, महापुरुषों के सद उपदेश का ज्ञान आमजन तक पहुंचेगा। यह घोषणा आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन्दौर स्थित गीता भवन में भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में कही। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के जीवन के अलग-अलग घटनाक्रमों के वृत्तान्त को बड़े ही रोचक तरीके बताया। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार द्वारा इस तरह के व्याख्यान के माध्यम से आमजन तक भगवान श्री कृष्ण के कर्म प्रधान जीवन की जानकारी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस व्याख्यान आयोजन में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, विधायक श्री गोलू शुक्ला, विधायक श्री मधु वर्मा, श्री विजय दत्त श्रीधर, श्री प्रभुदयाल मिश्र, संभागायुक्त श्री

दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, गौरव रणदिवे, गीता भवन ट्रस्ट इंदौर के अध्यक्ष श्री रामचंद्र एरन, ट्रस्ट के मंत्री श्री रामविलास राठी सहित गणमान्यजन, गीता भवन ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश भर में भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर व्याख्यान आयोजन रखे गए हैं। प्रदेश सरकार इस प्रयास के माध्यम से ज्ञान रूपी दीपक को प्रज्वलित करने वाली छोटी सी तिली की भूमिका में कार्य कर रही है। व्याख्यान के माध्यम से हमारे वरिष्ठ जन हमारे ग्रंथों, महापुरुषों के जीवन और उनके किये गए कार्यों को आमजन तक बेहद ही सहज तरीके से पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन कर्म पर समर्पित रहा। उन्होंने अलग-अलग लीलाओं के माध्यम से कर्म को प्रधान रखते हुए कर्म को ही धर्म माना। उन्होंने भगवान बुद्ध और उनके शिष्य के संवाद का भी बेहतर ही रोचक तरीके से वृतांत सुनाया। भगवान बुद्ध ने कहा था मृत्यु का कारण जन्म है। पृथ्वी पर जिस भी जीव का जन्म हुआ है उसकी मृत्यु तय है। हम देवताओं की जयंती मनाते है क्योंकि उनके द्वारा मनुष्य जन्म में किये गए कर्म पूजनीय है। देवताओं ने भी मनुष्य योनी को अपनाया। पुण्य के संचय हेतु जन्म आवश्यक है। व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजयदत्त श्रीधर ने श्री कृष्ण के भाव, सौंदर्य और प्रेम का समुच्चय विषय पर अपने व्याख्यान में कहा भारतीय संस्कृति के भगवान श्री कृष्ण पुरोधा रहे है। उन्होंने श्री कृष्ण के जीवन के अलग-अलग वृतांत जिसमें कृष्ण-अर्जुन द्रोपदी, रुकमणी प्रसंग सुनाते हुए श्री कृष्ण के जीवन के वृतांत को बड़े ही रोचक तरीके से प्रस्तुत किया।

एकीकृत पेंशन योजना को लेकर कांग्रेस का तंज

UPS: यूपीएस में 'यू' का मतलब है मोदी सरकार का यू-टर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने रविवार को एकीकृत पेंशन योजना को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसा। कांग्रेस ने कहा कि यूपीएस में यू का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न है। विपक्षी पार्टी ने यह कटाक्ष ऐसे समय किया गया है, जब शनिवार को ही केंद्र सरकार ने एकीकृत पेंश योजना का एलान किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना को मंजूरी दे दी है और इससे 23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को फायदा होगा। 1 जनवरी, 2004 के बाद सरकारी सेवा में शामिल हुए कर्मचारियों को यूपीएस योजना का लाभ मिलेगा। यूपीएस के तहत

कर्मचारियों को वेतन के 50 प्रतिशत की बराबर पेंशन मिलना सुनिश्चित किया गया है।

यूपीएस की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कर्मचारी की मौत की स्थिति में उसके जीवनसाथी को एक सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन प्रदान की जाएगी। साथ ही पेंशन पर महंगाई राहत भी मिलेगी जिसकी समय-समय पर महंगाई के हिसाब से गणना होगी।

जनता को निरंकुश सरकार से बचाएंगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा पोस्ट में लिखा कि हम जवाबदेही सुनिश्चित करते रहेंगे और 140 करोड़ भारतीयों को इस निरंकुश सरकार से बचाएंगे। बता दें कि नई पेंशन योजना न्यूनतम 10 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति पर 10,000 रुपये प्रति माह की न्यूनतम पेंशन की गारंटी भी देती है। यूपीएस से 23 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को लाभ होगा और अगर राज्य सरकारें भी यूपीएस को लागू करती हैं तो इस योजना से लाभ पाने वाले कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 90 लाख हो जाएगी।

सत्ता के अहंकार पर लोगों की शक्ति हावी

सरकारी कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में एकीकृत पेंशन योजना (यू.पी.एस.) को मंजूरी दी गई, जो गारंटीकृत पेंशन का आश्वासन देती है। यूपीएस को लेकर सरकार पर तंज कसते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, यूपीएस में 'यू' का मतलब मोदी सरकार का यू टर्न है! 4 जून के बाद, प्रधानमंत्री की सत्ता के अहंकार पर लोगों की शक्ति हावी हो गई है। गौरतलब है कि आम चुनाव के नतीजे 4 जून को ही घोषित किए गए थे।

विधानसभा चुनाव से पहले 'आप' को बड़ा झटका

पांच पार्षद भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। आप के पांच पार्षद भाजपा में शामिल हो गए हैं। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और बीजेपी नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी की मौजूदगी में आप पार्षद भाजपा में शामिल हुए। रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के पांच पार्षदों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। भाजपा में शामिल होने वाले पार्षदों में वार्ड 178 से सुगंधा बिधूड़ी, वार्ड 28 से राम चन्द्र, वार्ड 30 से पवन सहरावत, वार्ड 180 से मंजू निर्मल, वार्ड 177 से ममता पवन शामिल हैं।

चुनाव की तारीखों में हो सकता है बदलाव

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा में आगामी चुनावों की तारीखों में बदलाव हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अब चुनाव सात या आठ अक्तूबर को हो सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव की तारीख बदलने की मांग की है, जिसके बाद चुनाव आयोग इस पर विचार कर रहा है। इस संबंध में मंगलवार को चुनाव आयोग की ओर से औपचारिक घोषणा की जा सकती है। चुनाव आयोग के संभावित निर्णय का सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के चुनावी रणनीतियों पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। अब सभी की नजरें मंगलवार को होने वाली घोषणा पर टिकी हैं, जिसमें यह साफ हो सकेगा कि हरियाणा के मतदाता किस दिन अपना वोट डालेंगे। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने तर्क दिया है कि एक अक्तूबर के आसपास वीकेंड व छुट्टियां हैं। इस कारण लोग बाहर घूमने जा सकते हैं, जिसका असर मतदान प्रतिशत पर पड़ सकता है। साथ ही यह भी कहा है कि अगली तारीख निर्धारित करते समय यह ध्यान रखा जाए कि मतदान की तिथि से एक दिन पहले और मतदान के अगले दिन अवकाश न हो। ऐसा होने से ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान में हिस्सा ले सकेंगे।

अस्पताल में नर्स से हैवानियत, डॉक्टर को लेकर सामने आया चौंकाने वाला सच

महीने में चार दिन सर्जन करते थे ये काम

मुरादाबाद (एजेंसी)। स्वास्थ्य विभाग की जांच में ठाकुरद्वारा में नर्स से दुष्कर्म का मुख्य आरोपी शाहनवाज बीयूएमएस डॉक्टर नहीं, झोलाछाप निकला है। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि हमारे यहां शाहनवाज का पंजीकरण नहीं है।

उसकी डिग्री के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। इसकी रिपोर्ट बनाकर सीएमओ व डीएम को भेजी जा चुकी है। शाहनवाज एबीएम अस्पताल का संचालक होने के साथ वहां ओपीडी भी करता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह मरीजों को अंग्रेजी दवाएं लिखता था, जबकि सीएमओ कार्यालय में एबीएम अस्पताल में ओपीडी के लिए एमबीबीएस डॉ. हिमांशु चौधरी व सर्जन डॉ. सरताज आलम का पंजीकरण था। इन्हीं के नाम पर शाहनवाज अस्पताल चला रहा था। क्षेत्र में जान पहचान का लाभ लेकर व लोगों से खुद को बीयूएमएस डॉक्टर बताकर उनका इलाज भी कर रहा था। अस्पताल में किसी स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ के दस्तावेजों का पंजीकरण न होने के बावजूद वहां डिलीवरी के केस आते थे। चर्चा है कि शाहनवाज ने अपनी पत्नी को भी बीयूएमएस डॉक्टर के रूप में लोगों से परिचित कराया था। डिलीवरी के केस उसकी पत्नी ही देखती थी। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमरदीप नायक ने कहा कि हमारे कार्यालय में शाहनवाज का पंजीकरण बीयूएमएस डॉक्टर के तौर पर नहीं है।

महीने में चार दिन आते थे सर्जन, बाकी दिन झोलाछाप के सहारे

मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा के एबीएम अस्पताल में जिन सर्जन के नाम पर सर्जरी के मरीज भर्ती किए जाते थे, वह सिर्फ महीने में चार दिन ही आते थे। यह बात खुद सर्जन डॉ. सरताज आलम ने स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि जुलाई में वह काशीपुर से मुरादाबाद रहने आ गए। यहां दूसरे अस्पताल में उन्होंने सर्जन के तौर पर नियुक्ति ले ली।

मोदी सरकार ने Unified Pension Scheme को दी मंजूरी

10 साल बाद नौकरी छोड़ी तो हर महीने मिलेंगे 10 हजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने एक समिति का गठन किया जिसने आरबीआई और विश्व बैंक सहित कई शीर्ष संगठनों के साथ 100 बैठकें कीं। कमेटी की अनुशंसा के आधार पर शनिवार को कैबिनेट बैठक में यूपीएस को मंजूरी दे दी गयी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने 24 अगस्त को सरकारी कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दे दी। इस कदम का उद्देश्य सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन प्रदान करना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्र ने एक समिति का गठन किया जिसने आरबीआई और विश्व बैंक सहित कई शीर्ष संगठनों के साथ 100 बैठकें कीं।

मध्यप्रदेश में नर्मदा-शिप्रा उफान पर; हिमाचल में 73 सड़कें बंद

नई दिल्ली /भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 21 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। प्रदेश की दो प्रमुख नदियां (नर्मदा और शिप्रा) उफान पर हैं। उज्जैन में कई घाट और मंदिर शिप्रा नदी में डूब गए हैं।

हिमाचल प्रदेश में बारिश के चलते 73 सड़कें बंद कर दी गईं। इनमें से 35 शिमला में, 20 मंडी में, 9 कांगड़ा में, 6 कुल्लू में, 2 किन्नौर में और 1 ऊना जिले में बंद हैं। इधर, UP के बलिया में सरयू नदी में पीपा पुल बह गया। लखीमपुर खीरी में नाले में 2 युवक डूब गए। इसमें से एक की मौत हो गई। आज राजस्थान के 4 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट है।

हिमाचल में मानसून सीजन में 140 लोगों की मौत

केंद्र ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में 27 जून को मानसून सीजन की शुरुआत से लेकर शुक्रवार (23 अगस्त) तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 140 लोगों की जान गई है और राज्य को लगभग 1,212 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

बिहार के भागलपुर में गंगा में बहे इंजीनियर

बिहार के भागलपुर में जल संसाधन विभाग के चीफ इंजीनियर इंस्पेक्शन के दौरान गंगा में बह गए।

हालांकि उन्होंने लाइव जैकेट पहन रखी थी, इसलिए वे डूबे नहीं। उनके साथ NDRF टीम भी थी। नदी में रस्सी फेंककर उन्हें बोट पर वापस लाया गया।

त्रिपुरा में 24 की मौत, 2 लोग लापता

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शनिवार को बताया कि भारी बारिश के चलते राज्य में कम से कम 24 लोगों की मौत हुई है और दो लोग लापता हैं। उन्होंने कहा कि 19 अगस्त से जिस तरह की बारिश हो रही है, वैसी मूसलाधार बारिश पहले कभी नहीं देखी गई। त्रिपुरा के सभी 8 जिलों पर इसका असर पड़ा है। कई जगहों का संपर्क टूट गया है।

उत्तर प्रदेश, पश्चिम राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम और मेघालय, त्रिपुरा, केरल, तटीय आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ स्थानों पर 7 सेमी तक बारिश होने की संभावना है।

संपादकीय

न्यायपालिका का समर्पण?

पिछले कुछ वर्षों से सरकार और प्रशासन के निर्देश पर तुरंत दान महाकल्याण की तरह, घटनास्थल पर ही फैसला करने की प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। भीड़तंत्र भी सरकार और प्रशासन से जो चाहता है वह करा लेता है। कानून के नाम पर शासन और प्रशासन को जो अधिकार मिले हैं यदि उनके द्वारा इनका दुरुपयोग किया जाता है तो ऐसी स्थिति में जनता का विश्वास शासन और प्रशासन पर खत्म होने लगता है। शासन और प्रशासन अपने ही बनाए गए कानून का पालन नहीं कर रहे हैं। न्यायपालिका के अधिकारों का उपयोग प्रशासन खुलकर करने लगा है। इसके बाद भी भारत की न्यायपालिका मौन साध करके तमाशा देख रही है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा रहा है, न्यायपालिका ने सरकार और प्रशासन के सामने समर्पण कर दिया है। भारत में संविधान लागू है। किसी भी मामले में विवाद अथवा अपराध होने पर जांच एजेंसी जांच करती हैं। जांच करने के बाद न्यायालय में मामले को पेश करती हैं। फैसला न्यायपालिका को ही करना होता है। शासन को कानून और नियम बनाने का अधिकार है। संविधान के दायरे में नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए, कानून और नियम बनाने के अधिकार सरकार के पास हैं। सरकार द्वारा बनाए गए कानून और नियमों का पालन कराने का अधिकार संविधान ने प्रशासन को दिया है। कानून का उल्लंघन करने के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। फैसला न्यायालय ही कर सकती है। फैसला करने का अधिकार शासन और प्रशासन को नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बुलडोजर संस्कृति और भीड़तंत्र तुरत-फुरत फैसला कर रहा है। शासन और प्रशासन किसी को भी अपराधी घोषित कर, कुछ ही घंटों में उसके मकान और संपत्ति को बुलडोजर से गिरा देती है। एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार को बिना किसी अपराध के दे देती है। अपराध व्यक्ति द्वारा किया गया है। जांच किए बिना एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार को देने की बुलडोजर संस्कृति उत्तर प्रदेश से शुरू हुई थी। जो अब कई राज्यों में फैल गई है। विशेष बात यह है, कि एक धर्म समुदाय के लोगों पर ही इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। राजनीतिक कारणों से अभी कोई विपक्षी दलों के राजनेता इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं देते थे, लेकिन जिस तरह से आए दिन बुलडोजर से घटना के कुछ ही घंटे बाद आरोपी की संपत्ति और उसके मकान को गिराया जा रहा है। उसकी प्रतिक्रिया अब पूरे देश में हो रही है। हाल ही में मध्य प्रदेश के छतरपुर में जिस तरह की घटना हुई है। उस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। आरोपी का करोड़ों रुपए की लागत का मकान एवं अन्य संपत्ति को अतिक्रमण मानते हुए बुलडोजर से ढहाया गया है। जिस मकान को गिराया गया है, उसको बनाने के लिए बैंक ने लोन दिया था। बैंक ने सारे कागज सर्च किए थे। सारी परमिशन उसके पास थी, उसके बाद भी शासन और प्रशासन की नाराजगी के चलते आरोपी का मकान गिरा दिया गया। वहां पर जो गाड़ियां खड़ी थीं, उन्हें बुलडोजर से तोड़ दिया गया। यह घटना टीवी पर दिखाई गई। इस घटना के माध्यम से शासन और प्रशासन ने एक धर्म समुदाय के लोगों को आतंकित करने का काम किया है। अब इसकी जो जानकारी सामने आई है, उसके बाद विपक्षी दलों ने इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विरोध जताया है। बुलडोजर एक्शन पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, दिग्विजय सिंह और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश सिंह ने कार्यवाही का विरोध किया है।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूंजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी।

ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- 'बोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक हैं। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? वह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

भगवान श्री कृष्ण ईश्वर के रूप में अमर हैं

संजय गोस्वामी

भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव 26 अगस्त को का दिन बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा। जन्माष्टमी पर्व भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जो रक्षाबंधन के बाद भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। श्री कृष्ण देवकी और वासुदेव के 8वें पुत्र थे। मथुरा नगरी का राजा कंस था, जो कि बहुत अत्याचारी था। उसके अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे थे। एक समय आकाशवाणी हुई कि उसकी बहन देवकी का 8वां पुत्र उसका वध करेगा। यह सुनकर कंस ने अपनी बहन देवकी को उसके पति वासुदेवसहित काल-कोठरी में डाल दिया। कंस ने देवकी के कृष्ण से पहले के 7 बच्चों को मार डाला। जब देवकी ने श्री कृष्ण को जन्म दिया, तब भगवान विष्णु ने वासुदेव को आदेश दिया कि वे श्री कृष्ण को गोकुल में यशोदा माता और नंद बाबा के पास पहुंचा आएं, जहां वह अपने मामा कंस से सुरक्षित रह सकेगा। श्री कृष्ण का पालन-पोषण यशोदा माता और नंद बाबा की देखरेख में हुआ। बस, उनके जन्म की खुशी में तभी से प्रतिवर्ष जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। बाद में अहंकारी कंस का वध भगवान श्री कृष्ण करते हैं और पाप का अन्त होता है जन्माष्टमी पर्व को भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व पूरी दुनिया में पूर्ण आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। जन्माष्टमी को भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। श्री कृष्ण युगों-युगों से हमारी आस्था के केंद्र रहे हैं। इसमें यह संदेश है कि पुत्र के लिए पिता वासुदेव ने भी भगवान को नदी पार कराया क्या पता था वो भगवान कृष्ण के रूप में है इस दिन व्रत का विशेष महत्व है इस दिन बाल गोपाल को खीरे में रख कर 12बजे रात में ढोल बजारे के साथ भक्ति भाव से पूजन किया करते हैं इसमें अनुशक्तिनगर में भक्तिसंगम के द्वारा विशेष रूप से जन्माष्टमी मनाई जाती है जिसमें गीता पाठ, बाल संस्कार, गायत्री हवन, रामचरित्र मानस आदि का भी भक्तिभाव से पूजन किया जाता है जन्माष्टमी पर पूरे दिन व्रत का विधान है। जन्माष्टमी पर सभी 12 बजे तक व्रत रखते हैं। इस दिन मंदिरों में झांकियां सजाई जाती हैं और भगवान श्रीकृष्ण को झूला झुलाया जाता है और भजन कीर्तन होता है का आयोजन होता है। ऐसे ही एक आयोजन अनुशक्तिनगर में जन्माष्टमी धूमधाम से किया जाता है जिसमे भगवान श्री कृष्ण की विशाल जुलुस का आयोजन किया जाता है अनुशक्तिनगर में बी ए आर सी के वैज्ञानिक द्वारा भक्ति भाव से 7बजे शाम से लेकर रात्रि 12बजे तक विधि विधान से भगवान श्री कृष्ण का पूजन किया जाता है पुनीत कार्य हेतु भक्ति संगम के सदस्य खासकर डॉ संजय सिंह, श्री एस पी प्रभाकर, श्री मनीष कुमार, श्री प्रकाश कश्यप, श्री प्रवीण दुबे, श्री एच सी सोनी, श्री अलोक सक्सेना, श्री वसंत साव, श्री अनुपम शर्मा, श्रीअनुपम दीक्षित, श्री ललित मोहन आदि कार्यकर्ता का अहम् योगदान होता है ऑफिस का काम करते हुए इसे श्रद्धापूर्वक करते हैं बधाई के पात्र हैं बाके बिहारी श्री कृष्ण बचपन में कभी यशोदा मैया के लाल होते हैं, तो कभी ब्रज के नटखट कान्हा माखनचोर बन कर माता को चिढ़ाते हैं भगवान श्री कृष्ण ने ऐ संदेश दिया कि बाल्य अवस्था में खाने पीने के समान को चोरी ना समझा जाए ऐ एक अवस्था जो बाल्य रूप का है ऐसे भी चोरी करना आसान नहीं है क्योंकि पकड़े जाने पर पिट जाते हैं अतः भगवान श्री कृष्ण ने जन्म से ही ईश्वर का अवतार जैसा रूप दिखाया है जब माता यशोदा को जब माखन चोरी के कारण मुँह खोल कर माता यशोदा को पूर्ण ब्रह्माण्ड ही दिख जाता है अतः भगवान श्री कृष्ण ईश्वर के रूप में अमर हैं.ऐ गीता में पढ़ने को मिलता है ईश्वर सत्मिदानन्दस्वरूप, वनराकार, सवशर्ति्ममान, न्यायकारी, अजन्मा, अनन्त, आदि का उल्लेख हैं।

महिलाओं को समानता एवं सक्षमता के पंख देने होंगे

ललित गर्ग

दुनिया भर में, महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा से लेकर राजनीति और आर्थिक भागीदारी तक विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के प्रयासों को तीव्र गति देने के लिये महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरुआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को 'महिला समानता दिवस' के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है। यह व्यापक मानवाधिकारों और सतत विकास के साथ लैंगिक समानता के परस्पर संबंध पर जोर देता है।

महिला समानता दिवस से जुड़ा हुआ रंग बैंगनी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है। यह न्याय और गरिमा का प्रतिनिधित्व करता है, और अक्सर दूरदर्शी सोच और महिलाओं के अधिकारों के लिए चल रही लड़ाई को दर्शाने के लिए उपयोग किया जाता है। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज हमें महिला समानता दिवस मनाये जाने की आवश्यकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता के कारण महिला समानता ज्यादा अपेक्षित है। भारत ने महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार पुरुषों के बराबर दिया, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में काफी प्रगति देखी गयी है, खासकर शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम-2023 के माध्यम से नारी शक्ति को राजनीति में समानता देने की शुरुआत हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहलों ने समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अतिरिक्त, कार्यबल और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इन प्रगतियों के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत में लैंगिक असमानता अभी भी व्याप्त है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहाँ महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक वेतन अंतर जैसे मुद्दे समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते रहते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हासिल करना भारत सहित विश्व भर में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। समान कार्य के लिए समान वेतन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से इस असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। क्योंकि देश में ऐसी महिलाएं नजर आती हैं, जो सभी प्रकार के भेदभाव के बावजूद प्रत्येक क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं और सभी उन पर गर्व भी महसूस करते हैं। परन्तु इस कतार में उन सभी महिलाओं को भी शामिल करने की जरूरत है, जो हर दिन अपने घर में और समाज में महिला होने के कारण असमानता, अत्याचार एवं उपेक्षा को झेलने के लिए विवश है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है, परन्तु इन सभी के बीच वे महिलाएं जो अपने ही घर में सिर्फ इसीलिए प्रताड़ित हो रही हैं, क्योंकि वह एक औरत है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? दरअसल, इस तरह के हालात की वजह सामाजिक एवं संकीर्ण सोच रही है। पितृसत्तात्मक समाज-व्यवस्था में आमतौर पर सत्ता के केंद्र पुरुष रहे और श्रम और संसाधनों के बंटवारे में स्त्रियों को हाशिये पर रखा गया है। सदियों पहले इस तरह की परंपरा विकसित हुई, लेकिन अफसोस इस बात पर है कि आज जब दुनिया अपने आधुनिक और सभ्य होने का दावा कर रही है। एक बड़ा प्रश्न है कि आखिर कब तक सभी वंचनाओं, महामारियों एवं राष्ट्र-संकटों की गाज स्त्रियों पर गिरती रहेगी।

जहां देश में प्रधानमंत्री के पद पर इंदिरा गांधी और वर्तमान में राष्ट्रपति के पद पर द्रोपदी मुर्मू हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी राज्य की बागडोर संभाल रही हैं। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष भी एक महिला मायावती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को तो विश्व की ताकतवर महिलाओं में शुमार किया ही जा चुका है। पूर्व में लोकसभा में विपक्ष की नेता के पद पर सुषमा स्वराज और लोकसभा अध्यक्ष के पद पर मीरा कुमार ने भी महिला के गौरव को बढ़ाया हैं। कॉरपोरेट सेक्टर, बैंकिंग सेक्टर जैसे क्षेत्रों में इंदिरा नूई और चंदा कोचर जैसी महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है। वर्तमान में निर्मला सीतारमण सहित अनेक महिलाओं ने राजनीति में अपनी छाप छोड़ रही है। हमारी सेना में महिलाओं की यथोचित भागीदारी उसे ज्यादा शालीन, सामाजिक, योग्य और कारगर ही बनाएगी। युगों से आत्मविस्मृत महिलाओं को अपनी अस्मिता और कर्तृत्वशक्ति का तो अहसास हुआ ही है, साथ ही उसकी व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व चेतना में क्रांति का ऐसा ज्वालामुखी फूटा है, जिससे भेदभाव, असमानता, रूढ़संस्कार जैसे उन्हें कमतर समझने की मानसिकता पर प्रहार हुआ है। पुरुषवर्ग महिलाओं को देह रूप में स्वीकार करता है, किन्तु आधुनिक महिलाओं ने अपनी विविधआयामी प्रतिभा एवं कौशल के बल पर उनके सामने मस्तिष्क एवं शक्ति बनकर अपनी क्षमताओं का परिचय दिया है, वही अपने प्रति होने वाले भेदभाव का जबाव सरकार, समाज एवं पुरुषों को देने में सक्षम है, महिला समानता दिवस यदि उनकी सक्षमता को पंख दे रहा है तो यह जागरूक एवं समानतामूलक विश्व-समाज की संरचना का अभ्युदय है।

महिला समानता दिवस विशेष

> नारी शक्ति वन्दन अधिनियम-2023 के माध्यम से नारी शक्ति को राजनीति में समानता देने की शुरुआत हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहलों ने समाज में महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अतिरिक्त, कार्यबल और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इन प्रगतियों के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत में लैंगिक असमानता अभी भी व्याप्त है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहाँ महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक वेतन अंतर जैसे मुद्दे समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते रहते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हासिल करना भारत सहित विश्व भर में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। समान कार्य के लिए समान वेतन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से इस असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

देश के प्रत्येक नगरीय निकाय में खोले जाएंगे गीता भवन केन्द्र : मुख्यमंत्री

भगवान श्री कृष्ण का जीवन जन्म से लेकर निर्वाण तक कर्म प्रधान रहा, जो हमारे लिए आज भी प्रेरणा पुंज है

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। प्रदेश के समस्त नगरीय निकाय में गीता भवन केन्द्र खोले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान और हमारे ग्रंथों, महापुरुषों के सद उपदेश का ज्ञान आमजन तक पहुंचेगा।

यह घोषणा आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन्दौर स्थित गीता भवन में भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में कही। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के जीवन के अलग-अलग घटनाक्रमों के वृत्तान्त को बड़े ही रोचक तरीके बताया। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार द्वारा इस तरह के व्याख्यान के माध्यम से आमजन तक भगवान श्री कृष्ण के कर्म प्रधान जीवन की जानकारी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस व्याख्यान आयोजन में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, विधायक श्री गोलू शुक्ला, विधायक श्री मधु वर्मा, श्री विजय दत्त श्रीधर, श्री प्रभुदयाल मिश्र, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, गौरव रणदिवे, गीता भवन ट्रस्ट इंदौर के अध्यक्ष श्री रामचंद्र एरन, ट्रस्ट के मंत्री श्री रामविलास राठी सहित गणमान्यजन, गीता भवन ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश भर में भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर व्याख्यान आयोजन रखे गए हैं। प्रदेश सरकार इस प्रयास के माध्यम से ज्ञान रूपी दीपक को प्रज्वलित करने वाली छोटी सी तिली की भूमिका में कार्य कर रही है। व्याख्यान के माध्यम से हमारे वरिष्ठ जन हमारे ग्रंथों, महापुरुषों के जीवन और उनके किये गए कार्यों को आमजन तक बेहद ही सहज तरीके से पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन कर्म पर समर्पित रहा। उन्होंने अलग-अलग लीलाओं के माध्यम से कर्म को प्रधान रखते हुए कर्म को ही धर्म माना। उन्होंने भगवान बुद्ध और उनके शिष्य के संवाद का भी बेहतर ही रोचक तरीके से वृतांत सुनाया। भगवान बुद्ध ने कहा था मृत्यु का कारण जन्म है। पृथ्वी पर जिस भी जीव का जन्म हुआ है उसकी मृत्यु तय है। हम देवताओं की जयंती मनाते है क्योंकि उनके द्वारा मनुष्य जन्म में किये गए कर्म पूजनीय है। देवताओं ने भी मनुष्य योनी को अपनाया। पुण्य के संचय हेतु जन्म आवश्यक है। भगवान ने विभिन्न अवतारों में जन्म लेकर मनुष्य जीवन में सुख और दुख के बीच अपने कर्म को महत्ता दी। उन्होंने माता देवकी और वासुदेव, बाबा नंद और माता यशोदा के त्याग को उल्लेख किया। उन्होंने कहा भगवान कृष्ण ने जन्म से लेकर अपने पूरे जीवन में विभिन्न लीलाओं के माध्यम से कर्म प्रधान और पुरुषार्थ जीवन जीया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर स्थित गीता भवन ट्रस्ट को हर संभव सहयोग प्रदान करने की बात कही। उन्होंने कहा इंदौर में हर घर कृष्ण हर घर यशोदा की पहल अनूठी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर में भगवान श्री कृष्ण का पूजन कर बांसुरी भेंट की।

कार्यक्रम में ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भगवान श्री कृष्ण एवं राधा जी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री विजयदत्त श्रीधर ने श्री कृष्ण के भाव, सौंदर्य और प्रेम का समुच्चय विषय पर अपने व्याख्यान में कहा भारतीय संस्कृति के भगवान श्री कृष्ण पुरोधा रहे है। उन्होंने श्री कृष्ण के जीवन के अलग-अलग वृतांत जिसमें कृष्ण-अर्जुन द्रोपदी, रुकमणी प्रसंग सुनाते हुए श्री कृष्ण के जीवन के वृतांत को बड़े ही रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। उन्होंने भगवत गीता के श्लोकों और उनके अर्थों को बेहतर सहज तरीके से अपने व्याख्यान के माध्यम से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा यह आयोजन सनातन संस्कृति को जानने, समाज में रचनात्मकता और बेहतर दिशा देने का कार्य करने वाला सिद्ध होगा। श्री कृष्णा समग्रता की प्रतिमूर्ति विषय पर श्री प्रभु दयाल मिश्रा ने श्रीमद भगवत गीता के 18 हज़ार श्लोकों के अंतिम श्लोक को अपने व्याख्यान में समाहित करते हुए कहा एकाग्र भाव से किया गया कर्म ही सार्थक होता है। कर्म के प्रति नियंत्रण होता है लेकिन फल पर नियंत्रण नहीं होता है। उन्होंने कहा कर्म में आनंद की अनुभूति होना चाहिए, क्योंकि कर्म करने की भूमिका में आनंद होता है। क्योंकि भगवान श्री कृष्ण ने कर्म को ही धर्म माना। मैं तो में के जड़ चेतन में समाहित है। वेद का दर्शन है। इसलिए कहा जाता है कि ईश्वर में सभी का समावेश है। व्यक्ति को कर्म पर सदैव अड़िग रहना चाहिए। आभार ट्रस्ट के श्री राठी ने माना।

भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश हर युग में प्रासंगिक और प्रेरणादायी – डॉ. मोहन यादव

इंदौर , राष्ट्रीय जनभावना। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन धर्म, जाति, व्यक्ति एवं लिंग से बहुत ऊपर है। लोक मान्यता है कि गुणातीत देवकीनंदन श्रीकृष्ण का अवतरण जन्माष्टमी के दिन हुआ। यह पावन संयोग है कि विष्णु जी के अष्टम अवतार श्रीकृष्ण माता देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में अष्टमी तिथि को अवतरित हुए। जन्माष्टमी के पावन अवसर की प्रतीक्षा कर रहे भारत सहित दुनिया के कई देशों में बसे कृष्ण भक्तों में आनन्द और हर्षोल्लास है। द्वापर युग में आसुरी शक्तियों के अधर्म, अन्याय, पापाचार, अनाचार का प्रभाव चरम पर था। धर्म की रक्षा और अधर्मियों का नाश करने स्वयं भगवान को श्रीकृष्ण स्वरूप में पृथ्वी पर आना पड़ा। उन्होंने समस्त संसार को पाप, अधर्म, अत्याचार से मुक्त कर धर्म की संस्थापना की। नन्हें कान्हा से योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण बनने की जीवन यात्रा में घनश्याम श्रीकृष्ण ने मनुष्य की भांति जीवन की अनेक बाधाएं, संघर्ष, दु:ख, कष्ट, अपमान तथा पीडाओं को सह कर संसार को यह शिक्षा दी कि मनुष्य फल की इच्छा छोड़कर केवल अच्छे कर्म कर स्वयं पर विश्वास करें। योगेश्वर बनने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान उनके गुरु सांदीपनि जी का है, जिन्होंने प्रिय

शिष्य कृष्ण को धर्म, भक्ति, ज्ञान, योग, वेद, शास्त्र, संगीत, शस्त्र, पुराणों, गुरु सेवा एवं गुरु दक्षिणा आदि विषयों की दुर्लभ शिक्षाएं प्रदान की। गुरु दक्षिणा में भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि जी एवं गुरूमाता को उनका खोया हुआ पुत्र पुण्डरक वापस लाकर दिया। हम सब परम सौभाग्यशाली हैं कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा-दीक्षा के साथ उनके योगेश्वर बनने की गाथा मध्यप्रदेश में लिखी गई। कंस वध के बाद भगवान श्रीकृष्ण अपने बड़े भ्राता बलराम के साथ मथुरा से शिक्षा प्राप्ति के लिए महर्षि सांदीपनि की शरण में उज्जैन आये थे। नारायण (उज्जैन) में उनकी मित्रता सुदामा से हुई। श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता की मिसाल युग-युगांतर से है। भगवान श्रीकृष्ण से मित्रता की संसार को जो शिक्षा मिली, वह अनुकरणीय है। भगवान श्रीकृष्ण ने जिस जगह शिक्षा प्राप्त की थी, उनके गुरु सांदीपनि जी का आश्रम आज भी उज्जैन में विद्यमान है, जो भगवान श्रीकृष्ण के योगेश्वर बनने का साक्षात प्रमाण है। भगवान श्रीकृष्ण, सांदीपनि जी के गुरुकुल में 64 दिन रहे। इन 64 दिनों में 64 विद्या और 16 कलाओं का ज्ञान प्राप्त किया। चार दिन में 4 वेद, 18 दिन में 18 पुराण, 6 दिन में 6 शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया। अपनी विनम्रता और श्रद्धा के कारण गुरु कृपा से भगवान श्रीकृष्ण को इन्दौर के समीप जानापाव में परशुराम जी से सुदर्शन चक्र रूपी अमोघ शस्त्र की प्राप्ति हुई। धार के पास अमझेरा में वीरता के बल पर रूक्मणी हरण में रूक्मी को हराया। बदनावर का ग्राम कोद वे पवित्र स्थान हैं, जो भगवान श्रीकृष्ण की पौराणिक जागृत लीलास्थली हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मध्यप्रदेश सरकार ने राम वन-पथ-गमन की तरह अब ÷श्रीकृष्ण पाथेय÷ निर्माण का संकल्प लिया है। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश में जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े थे, उन्हें तीर्थ क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे पूरी दुनिया को यह पता चलेगा कि भगवान श्रीकृष्ण का अटूट सम्बंध गोकुल, मथुरा, नंदगांव, वृंदावन और द्वारिका से ही नहीं बल्कि मध्यप्रदेश से भी है। विश्व के लोग यहां आकर इन तीर्थों का दर्शन कर पुण्य लाभ ले सकेंगे। श्रीकृष्ण ने नारी सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जनश्रुति है श्रीकृष्ण ने दैत्य नरकासुर का वध कर बन्दी बनाई गई 16 हजार स्त्रियों को मुक्त कराया था। साथ ही कुटिल कौरवों के चीरहरण से द्रौपदी की रक्षा भी की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में की झाबुआ जिले की प्रशंसा

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम में झाबुआ जिले की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि झाबुआ जिले के सफाईकर्मी भाई-बहनों ने वेस्ट टू वेल्थ के संदेश को सच्चाई में बदलकर दिखाया है। सफाई कामगारों ने सही तरीके से रिड्यूस-रियूज-रिसाइकिल का मंत्र अपनाया है। सफाई कामगारों की टीम ने झाबुआ के पार्क में जो कचरे से आर्ट वर्क तैयार किया है, वह अदभुत है। पर्यावरण संरक्षण के लिये यह एक सराहनीय कार्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर से मन की बात कार्यक्रम को सुना। उल्लेखनीय है कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान 2024 के तहत झाबुआ कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति कविता सिंगार के निर्देशन में नगर पालिका झाबुआ के डा.भीमराव अम्बेडकर पार्क में 3क्र (रिड्यूस-रियूज-रिसाइकिल) पार्क बनाया गया है, जिसमें शहर में उपयोग उपरांत फेंके गये वेस्ट मटेरियल से विभिन्न कलाकृतियाँ बनाई गई हैं। प्लास्टिक बाटलों, पुराने टायरों, पुराने पाइप आदि वेस्ट मटेरियल का उपयोग करके हेलिकॉप्टर, तोपें, कार, जेएमसी (झाबुआ नगर पालिका लोगो), पान के पते, यातायात सिंगल पाईन्ट, दीवार, पौधों हेतु क्यारीयां, गमले, बैंच, सोफे आदि की अदभुत कलाकृतियां बनाई गई हैं। उक्त कलाकृतियां एवं सम्पूर्ण कार्य बिना किसी बाहरी व्यक्ति के सहयोग के नगर पालिका झाबुआ में कार्यरत सफाई कामगारों द्वारा ही अपनी मेहनत से तैयार की गई हैं।

भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों के प्रसार के लिये हर विकासखण्ड के एक गाँव को बरसाना गाँव के रूप में किया जायेगा विकसित : मुख्यमंत्री

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी विकासखण्डों में एक गाँव को चयनित कर बरसाना गाँव के रूप में विकसित किया जायेगा। इन गाँवों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों का प्रसार किया जायेगा और उन्हें जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। बरसाना गाँव में जहां एक ओर प्राचीन संस्कृति को पुष्पित और पल्लवित किया जायेगा वहीं दूसरी ओर जैविक खेती और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जायेगा। इन गाँवों में विकास की नई दिशा तय की जायेगी। ग्रामीणों में मानवता, सामाजिक, सांस्कृतिक एकता के जन जागरण का प्रसार कर एक ऐसा समाज तैयार किया जायेगा जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के आदर्श और सिद्धांत दिखायी दें। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही प्रदेश के हर एक नगरीय निकाय में भी गीता भवन केन्द्र स्थापित किये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज यहां इंदौर में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर ÷हर बालक कृष्ण, हर माँ यशोदा÷ की थीम पर आयोजित देश में अपने तरह के पहले एवं अनूठे कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस धर्ममय एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उपस्थित बाल गोपालों और यशोदा माताओं का पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। इस अनूठे कार्यक्रम में 5 हजार से अधिक बच्चे बाल गोपाल और इतनी ही माताएं माँ यशोदा के रूप में मौजूद थीं। कार्यक्रम स्थल पूरी तरह आलौकिक अनुभूति से सराबोर था। कार्यक्रम स्थल को भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं से चित्रित एवं सजाया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित

बाल गोपालों को गोद में लेकर स्नेह से दुलार किया। मटकी फोड़ का कार्यक्रम भी हुआ। उन्होंने बाल गोपालों को माखन मिश्री भी प्रसाद के रूप में खिलायी। बाल गोपालों को कृष्ण जन्माष्टमी के उपहार भी वितरित किये गये। इस कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री महेंद्र हार्डिया, श्री मनोज पटेल, श्री गोलू शुक्ला तथा श्री मधु वर्मा, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, पूर्व विधायक श्री गोपी नेमा, श्री सुदर्शन गुप्ता तथा श्री संजय शुक्ला, श्री गौरव रणदीवे, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री आशीष सिंह विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र और उनसे जुड़ी लीलाओं और प्रसंगों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंनें कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र से सीख लेकर हमें उनके आदर्शों और सिद्धांतों को जीवन में आत्मसात करना चाहिये। भगवान श्रीकृष्ण कोमलता, धैर्य, करूणा और प्रेम की प्रतिमूर्ति है। वे मानव जाति की रक्षा के प्रतीक भी हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में मानव जाति के कल्याण और धर्म की स्थापना के लिये अनेक लीलाएं भी की हैं। उन्होंने प्रकृति से प्रेम करना सिखाया है। ग्रामीण संस्कृति को बढ़ावा दिया है। माखन, दूध, दही को स्वास्थ रक्षक के रूप में प्रतिष्ठित किया है। उनका जीवन ग्रामीण संस्कृति को प्रोत्साहन देने का रहा है। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये हमने हर विकासखण्ड के एक गाँव को चयनित कर बरसाना गाँव के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही नगरीय क्षेत्रों में गीता भवन केन्द्र भी स्थापित किये जाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि हर माता यशोदा और बालक कृष्ण के रूप में अपना जीवन बनायें। माँ यशोदा ममत्व की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब हर तीज, त्यौहार और पर्व पूर्ण हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित किये जाएंगे। समाज का हर वर्ग सभी तीज, त्यौहार और पर्व आनंद और उत्साह के साथ मनायें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण पर आधारित भजन ÷गोविंदा आला रे आला, जरा मटकी संभाल बृजबाला÷ सुनाया। इस भजन पर उपस्थित श्रोताओं ने स्वर से स्वर मिलाकर पूरे कार्यक्रम को धर्ममय कर दिया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध बांसुरी वादक बल्लू जी के बांसुरी वादन ने और माधवास बैंड की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में आलौकिक अनुभूति करायी। मुख्यमंत्री जी ने ÷साथी घोड़ा पालकी-जय कन्हैया लाल की÷ के जयकारों से पूरे कार्यक्रम स्थल को उपस्थित बाल गोपालों और यशोदा माताओं के स्वर के साथ गुंजायमान कर दिया।

महापौर पटेल ने जवाहर नगर मुक्तिधाम में रोपे पौधे

रतलाम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन यादव, केबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप, सांसद श्रीमती अनिता-नागरसिंह चौहान की मंशानुसार इस वर्षा ऋतु में रतलाम नगर को ग्रीन रतलाम बनाने के उद्देश्य से महापौर प्रहलाद पटेल ने निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ जवाहर नगर मुक्तिधाम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे का रोपण किया।

महापौर प्रहलाद पटेल ने पौधारोपण के साथ ही उनकी सुरक्षा में आमजन की भागीदारी का आव्हान करते हुए कहा कि रतलाम में रीजनल पार्क की तैयारी प्रारंभ हो चुकी है रीजनल पार्क आगे आने में अनोखा प्रोजेक्ट होकर शहर को नई दिशा देगा।

नगर के विकास के प्रति अपनी कटिबद्धता दर्शाते हुए महापौर श्री पटेल ने कहा कि नगर को महानगर की ओर ले जाना हमारा उद्देश्य है और हम इसमें निरंतर सफल हो रहे हैं शहर निरंतर प्रगति और अग्रसर हो रहा है हमें इसमें और अधिक मेहनत कर शहर का गौरव बढ़ाना है मुक्तिधाम में टूटी हुई बाउंड्री वॉल पानी की टंकी निर्माण का आग्रह समिति अध्यक्ष पंडित शैलेंद्र शर्मा द्वारा करने पर संबंधित को एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिये। महापौर श्री पटेल द्वारा विद्युत शव दाह मशीन के बारे में जानकारी एकत्रित कर एस्टीमेंट बनाने के भी निर्देश दिये।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मयूर पुरोहित, भाजपा जिला कार्यालय मंत्री मनोज शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि मुकेश मीणा के अलावा जीनेन्द्रबाबु भाई फौजी, अनिल गोखरू, जयंत बोरा, सुरेश तवर, कमल यादव विनीत कौशिक ईश्वरलाल भाटी, मालवीय जी, गणेश शर्मा अजय यादव सहित नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन से मुक्तिधाम समिति के उपाध्यक्ष शैलेंद्र गोठवाल द्वारा किया गया आभार प्रदर्शन समिति के अध्यक्ष पंडित शैलेंद्र शर्मा द्वारा किया गया।

धर्मनिष्ठ श्राविका कमलाबाई ढाबरिया का निधन

रतलाम। स्व. सेठ बाबूलाल ढाबरिया की धर्म सहायिका एवं धर्मनिष्ठ श्राविका कमलाबाई ढाबरिया का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से समाज में अपूरणीय क्षति हुई एवं जैन समाज में शोक छा गया। वे अशोक, अनिल, विजय की माताजी एवं अमित, पुनीत की दादीजी तथा विवान की परदादीजी थे। वे नियमित धर्म आराधना आदि के साथ प्रतिदिन विभिन्न नियम भी करते थे। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे। स्वस्थ रहते हुए साधु साध्वीजी के दर्शन, मांगलिक, व्याख्यान आदि का अच्छा लाभ लिया। अमलतास कॉलोनी स्थित निवास से निकली अंतिम यात्रा में जैन समाज के अलावा विभिन्न धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं, राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के अलावा नगर एवं क्षेत्र के बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने सम्मिलित होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्थानीय त्रिवेणी मुक्तिधाम पर उनके पुत्रों, पौत्रों व पड़पौत्रों ने मुखाग्नि दी।

अजाक्स द्वारा ज्ञापन दिया गया

रतलाम। मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ रतलाम ग्रामीण द्वारा विभिन्न मामलों के संबंध में महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन 25 अगस्त को जिला कलेक्टर कार्यालय में नायब तहसीलदार सविता राठौर मैडम को दिया। ज्ञापन में आउटसोर्सिंग भर्ती बंद करने, 1 लाख पदों की पूर्ति करने, कर्मचारियों की पुरानी पेंशन लागू करने जैसी मांग रखी गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रामचंद्र भगोरा, कार्यकारी जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर लश्करी, रतलाम ग्रामीण अध्यक्ष डॉ राजू पथोड़िया, श्रीमती सुगना माल, राजेंद्र मायल, पूनम चंद मालीवाड़, गनपत राजोरिया आदि उपस्थित है।

पर्युषण महापर्व प्रारंभ होने के पहले जिनालय शुद्धिकरण का कार्य प्रारंभ

रतलाम। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री श्रेयांसनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर अलकापुरी में पर्युषण महापर्व प्रारंभ होने के पहले जिनालय शुद्धिकरण का पावन कार्य धर्ममय वातावरण में उत्साहपूर्वक किया गया। प्रातःकाल से ही श्रावक श्राविकाएं पूजा के वस्त्र धारण कर प्रतिमाजी प्रक्षालन और जिनालय शुद्धिकरण के लिए एकत्र होना शुरू हो गए थे। शुद्धिकरण पश्चात विधिपूर्वक स्नात्र पूजन की गई। आज के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सुश्री शशि रुनवाल, कविता मेहता, सलोनी, जया मूणत, पिंकी, प्रशम, दिलीप गेलड़ा, पुखराज चंडालिया, विरेन्द्र चोपड़ा, अनीता चोपड़ा, प्रितेश छाजेड़, संगीता कोठारी, जयंतीलाल जैन, सारिका गेलड़ा, अशोक भंडारी, मोक्ष गांधी, अंकित गेलड़ा, ज्योति तरुण गोखरू, उषा चेन आदि ने सम्मिलित होकर जिनालय शुद्धिकरण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

प्रदेश के.....

(प्रथम पृष्ठ से जारी)

श्री कृष्णा भगवान की प्रतिमूर्ति विश्व पर प्रभु दयाल मिश्रा ने श्रीमद भगवत गीता के 18 हजार श्लोकों के अंतिम श्लोक को अपने व्याख्यान में समाहित करते हुए कहा एकाग्र भाव से किया गया कर्म ही सार्थक होता है। कर्म के प्रति नियंत्रण होता है लेकिन फल पर नियंत्रण नहीं होता है।आभार ट्रस्ट के श्री राठी ने माना।

नारी शक्ति की मिसाल, नम्रता व दिव्यता की मूर्त राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी

रतलाम।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के डोंगरे नगर स्थित दिव्य दर्शन भवन सेवा केंद्र पर ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि जी की 17वीं पुण्य स्मृति दिवस को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया गया।

एक महान हस्ती, एक दिव्य विभूति जिन्होंने सारे विश्व को प्रेम का पाठ पढ़ाया और अनेक आत्माओं को ईश्वरीय अनुभूति कराई ऐसी विलक्षण व्यक्तित्व की धनी थी दादी प्रकाशमणि।

सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी द्वारा दादी की विशेषताओं से सभी को अवगत कराते हुए बताया कि दादी प्रकाशमणि ने नारी शक्ति की ऐसी मिसाल कायम की जिसकी आज पूरी दुनिया दाद देती है, उन्होंने अपने कुशल प्रशासन से यह साबित करके दिखाया कि जब एक नारी कुछ ठान लेती है तो असंभव कार्य को भी संभव बना देती है। दादी की ममता की छांव में पलकर और उनके सानिध्य में हजारों बहनें इस विश्व परिवर्तन के कार्य में सहयोगी बनी। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानव कल्याण एवं महिलाओं को शक्ति स्वरूपा बनाने में लगा दिया जिससे महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा सके।

जावरा से पधारे बी.के. सावित्री दीदी ने कहा कि राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि एक ऐसी महिला थी जो इस धरा पर आध्यात्म का प्रकाश पुंज बनकर आई और अपने ज्ञान प्रकाश की शक्ति से लाखों लोगों के जीवन को आलोकित करके अव्यक्त हो गई। वर्ष 1969 में ब्रह्माकुमारी के संस्थापक पिता श्री ब्रह्मा बाबा के अव्यक्त होने के बाद आपने इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कमान संभाली। आपकी दूर दृष्टि कुशल प्रशासन, स्नेह, विश्व बंधुत्व की भावना और परमात्म शक्ति का ही नतीजा है कि आज इस संस्थान के विश्व के 140 देशों में सेवाकेंद्र है जो कि निरंतर सेवारत है।

दादी जी द्वारा समाज को दिए दिव्य संदेश

दादी जी हमेशा हमेशा कहती थी कि आप जब दूसरों के साथ व्यवहार करें तो आप उनकी भावनाओं को समझें और आपसी प्रेम एवं सहयोग को बनाए रखें तो कभी भी आपस में वादविवाद नहीं होगा। वर्तमान समय आध्यात्मिक शिक्षा की बहुत आवश्यकता है क्योंकि आज के युवक बिना किसी चरित्र एवं नैतिकता से पल रहे हैं और यही कारण है की समस्याओं का प्रभाव केवल सामाजिक स्तर पर ही नहीं बल्कि भौतिक स्तर पर भी देखने को मिल रहा है।

इस कार्यक्रम में बी.के. गीता दीदी, बी.के. रजनी दीदी, बी.के. संगीता दीदी, समाज सेवी राजेंद्र पोरवाल, गुलाब भाई, ओमप्रकाश शावत, अनिल ललौदिया, अशोक कौशल, ममता पवार, शिक्षिका भाव्या दतवानी आदि सभी भाई बहनों द्वारा दादी जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

नाइट पेट्रोल मैन की सतर्कता से टला हादसा

रतलाम।

दिल्ली-मुंबई रूट के रतलाम रेल मंडल के गोधरा सेक्शन स्थित मंगल मऊडी और लिमखेड़ा स्टेशन के बीच तेज बारिश से बीती रात ट्रैक के नीचे की गिट्टी और मिट्टी बह गई। ड्यूटी पर तैनात नाइट पेट्रोल मैन ने इसकी सूचना रेलवे कंट्रोल को दी।

रेल कर्मचारियों की सतर्कता से समय रहते इसका पता चल गया। रात में ही रेलवे ने युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए रविवार सुबह करीब 5 बजे तक रेल मार्ग को दुरुस्त कर ट्रेनों का परिचालन शुरू किया।

जिस ट्रैक के नीचे से गिट्टी व मिट्टी बही है, वहां आसपास कटाव भी हो गया। पटरी के नीचे का यह कटाव 5 से 6 फीट लंबा था। रात को सूचना मिलते ही रेलवे अमला हरकत में आया। 10 बजे दिल्ली-मुंबई रूट की अप लाइन को बंद करना पड़ा।

रात 11 बजे रतलाम से इंजीनियरों व रेल कर्मचारियों की टीम रवाना हुई। आसपास के स्टेशनों से भी रेल कर्मचारियों को बुलाया। रातभर बारिश के बीच रेल कर्मचारियों ने काम करते हुए ट्रैक को दुरुस्त कर रेल मार्ग को सुचारू किया। रेलवे द्वारा ट्रैक पर लगातार नजर रखी जा रही है, जहां घटना हुई वहां दोनों तरफ पहाड़ है और कर्व भी है।

रात में कार्य के चलते 10 पैसेंजर समेत 15 ट्रेनें अलग अलग स्टेशनों पर रोकना पड़ी। इनमें 5 गुड्स व 10 पैसेंजर ट्रेन शामिल थी।

पिछले साल भी गिट्टी-मिट्टी बही

पिछले साल सितंबर माह में भारी बारिश के कारण रतलाम रेल मंडल के अमरगढ़ पंच पिपलिया स्टेशन के बीच पटरियों के नीचे की गिट्टी-मिट्टी बह गई थी। इससे दिल्ली-मुंबई रूट की अपलाइन 10 घंटे तक बंद रखना पड़ा। इसका असर 85 ट्रेनों पर पड़ा था। इसमें 19 ट्रेनों को निरस्त करना पड़ा था, तो 30 से ज्यादा को रास्ता बदलकर चलाया गया। रतलाम रेल मंडल जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि रातभर कार्य कर तड़के रेल मार्ग सुचारू किया गया। ट्रैक पर नजर रखी जा रही है।

सेवानिवृत्ति के बाद सुखमय जीवन व्यतीत करें : भदोरिया

रतलाम। सेवा के दौरानआपअपना अधिकतर समय रेल सेवा में व्यतीत करते हैं लेकिन सेवानिवृत्ति के बादआपको धार्मिक एवं दर्शनीय स्थानों पर जाकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करना चाहिए रिटायर्ड व्यक्ति कभी टायर्ड नहीं होता है। इसलिए भारत भ्रमण कर दार्शनिक स्थान का एवं धार्मिक स्थान पर जाना चाहिए। आगे मोदी सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर यूपीएस यूनिफाइड पेंशन स्कीम की घोषणा पर सभी को बधाई देते हुए कहा मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास करती है। प्रधानमंत्री ने सभी केंद्रीय संगठनों के साथ मुलाकात कर 1 अप्रैल 2025 से यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा की है।आप सभी को बधाई। उपरोक्त विचार नगर निगम में एम आई सी अध्यक्ष भगतसिंह भदोरिया ने त्रिकलिंग पर्व पर रवाना होने वाली बस की पूजा अर्चना कर हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर सेंट्रल गवर्नमेंट एवं रेलवे पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र व्यास यात्रा संयोजक देवेंद्र वर्मा सहित 50 रेल्वे पेंशनर रवाना हुए।

जहर का सेवन करने से तीन तो फांसी लगाने और सांप काटने से दो की गई जान

रतलाम। जिले में पिछले चौबीस घंटे के अंतराल अलग अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई। तीन ने जहरीला पदार्थ का सेवन किया तो एक ने फांसी के फंदे और एक को सांप ने डस लिया। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग कायम करके जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रावटी थाना क्षेत्र अंतर्गत नमचन्द पिता मांगीलाल मईडा उम्र 45 साल निवासी ग्राम बडलीपाड़ा, सरवन थाना क्षेत्र अंतर्गत कणजी पिता नाथू जाति भील मणावत उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम अमरपुरा, बाजना थाना क्षेत्र अंतर्गत कालू पिता लक्ष्मण भाभर उम्र 21 साल निवासी ग्राम सरवाड़ा, तीनों ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। परिजन तुरंत नजदीक के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने जांच कर तीनों को मृत घोषित कर दिया।

सैलाना थाना क्षेत्र अंतर्गत सूरज पिता सरवन चारेल 16 वर्षीय निवासी सांई मन्दिर के पास ग्राम धामनोद ने अज्ञात कारणों के चलते घर के अंदर फांसी का फंदा लगा लिया। शिवगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत करण पिता मोहनलाल नायक उम्र 14 साल निवासी ग्राम गोलखा थाना को खेत पर खेलते हुए जहरीले सांप ने डस लिया। दोनों नाबालिक को परिजन तुरंत नजदीकी चिकित्सालय ले गए जहां डॉक्टर की टीम ने दोनों को जांच कर मृत घोषित कर दिया। पुलिस में सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर लिया है। साथ ही पुलिस पांचों की मौत के कारण का पता करने में जुटी है।

आचार्य शंकर वेद गुरूकुल रतलाम में पौधा रोपण

शक्ति, आशा, सद्भाव और जीवन चक्र का प्रतीक हैं पेड : प्रदीप पाण्डेय

रतलाम।

म.प्र. जन अभियान परिषद रतलाम के द्वारा आचार्य शंकर वेद गुरूकुल केसर कुंदन सैलाना रोड रतलाम में एक पेड माँ के नाम अभियान' के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही गुरूकुल के शिक्षा प्राप्त कर रहे बटुको से पर्यावरण संरक्षण संवाद कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि म.प्र. जन अभियान परिषद के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय, विशेष अतिथि समाजसेवी व भाजपा महामंत्री निर्मल कटारिया, परिषद के जिला समन्वयक रत्नेश विजयवर्गीय, पार्षद धर्मेन्द्र व्यास, समाजसेवी राकेश मिश्रा, समाजसेवी डॉ. भरत शर्मा, परिषद के विकासखण्ड समन्वयक शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, समाजसेवी चेतन व्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरूकुल संस्थापक संत श्री भागवताचार्य पंडित नैमिष नारायण व्यास के द्वारा कि गयी।

मुख्यातिथि पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष म.प्र. जन अभियान परिषद प्रदीप पाण्डेय ने कहा कि पेड़ शक्ति, आशा, सद्भाव और जीवन चक्र का प्रतीक है। पेड़ों में बहुत ज्यादा शक्तियां होती हैं। वे वायु की गुणवत्ता सुधारने और जलवायु परिवर्तन से लड़ने, हमारे शहरों को ठंडा रखने, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने, मिट्टी और जल संरक्षण में सुधार करने, आजीविका का समर्थन करने और हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। लोगों की भलाई इन सब पर निर्भर करती है। सृष्टि समाज सेवी संस्था के सतीश टांक, कर्मयुग फाउण्डेशन के शुभम पाण्डेय, नगर विकास प्रस्फुटन समिति के बालमुकुन्द योगी, नवश्रेष्ठ फाउण्डेशन के मंगेश जाट, शास्त्री प. अभिजन व्यास बड़ी संख्या में बटुक उपस्थित रहे।

विश्व शांति दिवस के रूप में संपूर्ण विश्व में मनाया जा रहा दादी प्रकाशमणि जी का पुण्य स्मृति दिवस

दादी जी ने विश्व परिवर्तन के अभियान को शिखर पर पहुंचाया : राजयोगिनी मनोरमा दीदी

रतलाम।

वैसे तो संसार में हजारों मनुष्य आत्माएं अपना किरदार निभा कर चली जाती है लेकिन कुछ आत्माओं का पार्ट विशेष होता है जो अपने आत्मीय गुणों को साकार कर दूसरों की जीवन यात्रा को सुगम बना देते हैं।

ऐसी उदार हृदय दादी जी के मधुर मुस्कान और प्यार को कभी भुलाया नहीं जा सकता आपमें कर्तापन का भान नहीं था मगर शक्ति परमात्मा करा रहे है और मैं कर रही हूं। इसी लक्ष्य को लेकर दादी जी द्वारा विश्व परिवर्तन के विशाल कार्य को करना बहुत आसान हो गया था। साक्षात परमात्मा की छवि दादी जी में दिखाई देती थी और विश्व परिवर्तन के परमात्म अभियान को दादी जी ने शिखर पर पहुंचाया।

उक्त उद्गार 25 अगस्त प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की अंतरराष्ट्रीय पूर्व मुख्य प्रशासनिका परम आदरणीय दादी जी के 17वें पुण्य स्मृति दिवस पर राजीव गांधी सिविक सेंटर सेवा केंद्र के सभागार में पुष्पांजलि श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी मनोरमा दीदी ने व्यक्त किए।

बी.के.मंजुला बहन ने कहा कि हमारे जीवन का लक्ष्य ही है परम आदरणीय दादी जी के समान बन और विश्व सेवा का परम सौभाग्य प्राप्त करना। बहन सरिता ओझा ने कहा कि दादी जी इस धरा का वह फरिश्ता थी जिनके द्वारा हमें अनेकानेक अनुभव प्राप्त हुए। भ्राता भूपेंद्र सिंह देवड़ा ने कहा कि दादी जी से मिलकर के एक अनोखे आनंद की प्राप्ति होती थी क्योंकि उनका जीवन हमेशा ही विश्व कल्याण के लिए तत्पर रहा। परमपिता परमात्मा एवं दादी जी को भोग स्वीकार कराने के पश्चात पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में सर्वश्री लोकेंद्र पाल सिंह जी रिटायर्ड (ए.जी.एम.)इप्का लेबोरेट्री, भ्राता राजेंद्र प्रसाद शर्मा जी रिटायर्ड (ए.जी.एम.) इप्का लेबोरेट्री, राजेश मोठिया, ललित केसवानी, राजेंद्र मगरा, संजय पालीवाल, कृष्णकुमार चौहान, कमलेश श्रीवास्तव, हरि नारायण त्रिपाठी, नैतिक मोठिया, नवजीवन परोडिया, मानसी केसवानी, सरोज मोठिया, यशस्वी मोठिया, लता पालीवाल, साधना चौहान, सोनल धारवाल, खुशबू देवड़ा, पूनम सिसोदिया, सुमित्रा शर्मा, सोना गोयानी, इत्यादि ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मेरा कॉलम

तू चीज बड़ी है मस्त-मस्त

सूरज सिर पर चढ़ आया था, लेकिन ऑफिस में बाबूजी का सिर अभी भी चिंताओं के बोझ से झुका हुआ था। आँखें बंद, माथे पर बल, और मन में हजारों सवाल। दोनों हाथों से सिर को थामे हुए वो कभी एक तरफ तो कभी दूसरी तरफ झुक जाते। तभी पांडे जी की उत्साहित आवाज ने ऑफिस का सन्नाटा तोड़ दिया। नमस्ते साहब! पांडे जी ने दरवाजे से ही अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, लेकिन बाबूजी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वे बस अपने सिर को उठाकर पांडे जी की ओर एक नजर डालते हैं और फिर पुनः अपनी चिंता की मुद्रा में लौट आते हैं। पांडे जी का उत्साह फीका पड़ जाता है, और वे अपनी उंगलियों से माथे की सलवटों को सीधा करने का असफल प्रयास करते हुए बाबूजी के पास चले आते हैं। क्या हुआ साहब? किसी विचार में डूबे हैं या किसी चिंता में? पांडे जी ने थोड़ी सहानुभूति जताते हुए पूछा। बाबूजी ने सिर को उठाया, दोनों हाथों से बालों को यूँ झाड़ा जैसे किसी पुराने विचार को निकाल फेंकना चाहते हों, फिर खड़े होकर कमरे में टहलने लगे। उनकी इस गम्भीर मुद्रा ने पांडे जी को चौंका दिया। पांडे जी अब उत्सुकता से बाबूजी की ओर देखने लगे। काहे का विचार पांडे जी? ये तो इस व्यवस्था ने हमें चिंतन से ही बेदखल कर दिया है। अब तो केवल चिंता ही बाकी रह गई है। बाबूजी की आवाज में गहरी निराशा थी।

पांडे जी, जो अब तक अपने आप को समस्या का हिस्सा मान रहे थे, अचानक अपने ऊपर से सारे बोझ को उतारते हुए बोले, अरे साहब! हम जैसे कर्मठ कर्मचारियों के रहते आपको परेशान होने की जरूरत ही क्या है?

बाबूजी ने पांडे जी की ओर देखा, फिर खिड़की की ओर मुड़कर बाहर की ओर ताकने लगे। पांडे जी भी अपने साहब की नकल करते हुए खिड़की से बाहर झांकने लगे।

यह ऊँची इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल थी, जहाँ से नीचे के कर्मचारी तो छोटे-छोटे खिलौनों की तरह दिखते थे। पांडे जी को लगा कि शायद बाबूजी की चिंता का कारण यही ऊंचाई है। उन्होंने साहस जुटाकर पूछ लिया, साहब, कहीं इस ऊँचाई से नीचे देखने में आपको कोई दिक्कत तो नहीं हो रही?

नहीं, पांडे जी, समस्या ये नहीं है। बाबूजी ने ठंडी आह भरी। यहाँ तो सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है, लेकिन नीचे जो हो रहा है, वही चिंता का विषय है।

पांडे जी की धड़कनें तेज हो गईं। तो फिर क्या बात है साहब?

बाबूजी ने गहरी सांस ली और बोले, पांडे जी, देख रहे हो कितनी भीड़ बढ़ती जा रही है नीचे? अब लोग इतना काम कर रहे हैं कि कार्यालय में जगह ही नहीं बची। पहले तो दो-चार ही आते थे, लेकिन अब हर रोज सैकड़ों की संख्या में लोग फाइलें और समस्याएं लेकर आ जाते हैं। कोई घूसखोरी, कोई भ्रष्टाचार, कोई अनुशासनहीनता...। इसान दिन-रात कार्यालय में समस्या पैदा कर रहे हैं और हमें सारा दिन इनको सुलझाने में लगाना पड़ता है।

पांडे जी को समझ में नहीं आ रहा था कि बाबूजी की इस नई समस्या का क्या हल हो सकता है। लेकिन साहब, ये तो हमेशा से होता आ रहा है। फाइलें आती रहती हैं, सिफारिशें होती रहती हैं। इसमें चिंता की क्या बात है? बाबूजी ने गहरी सांस लेकर पांडे जी की ओर देखा, जैसे वो कुछ बहुत महत्वपूर्ण बात बताने वाले हों। पांडे जी, समस्या ये नहीं है कि लोग काम कर रहे हैं। समस्या ये है कि अब काम करने वाले लोग भी ईमानदारी से काम नहीं करते। ये घूसखोरी, भ्रष्टाचार, ये सब कलियुग के लक्षण हैं। अब देखो, हर विभाग में कोई न कोई ऐसे काम में लिप्त है, जो उसे सीधे स्वर्ग पहुंचाने वाला है। और हम यहाँ किसके लिए बैठे हैं? ऐसे ही लोगों की सिफारिशें निपटाने के लिए!

पांडे जी, जो अब तक केवल सिर हिला रहे थे, अचानक बोले, साहब, अगर ये लोग इतने महान काम कर रहे हैं, तो फिर समस्या क्या है? उन्हें प्रमोशन दीजिए और स्वर्ग की ओर भेज दीजिए!

अरे पांडे जी! बात इतनी आसान होती तो क्या समस्या थी? बाबूजी की आवाज में खीझ साफ झलक रही थी। अब समस्या ये है कि कोई भी व्यक्ति पूरा का पूरा अच्छा नहीं है। सबके सब भ्रष्टाचार और झूठ-फरेब में लिप्त हैं। अब किसे प्रमोट करें और किसे नहीं? हर किसी में थोड़ी-बहुत अच्छाई भी है और बहुत सारा बुरा भी। ऐसे में निर्णय लेना मुश्किल हो गया है।

पांडे जी अब पूरी तरह से गम्भीर हो गए। उन्होंने बिना एक शब्द बोले, बाबूजी की बात सुनने का निर्णय लिया। और सबसे बड़ी समस्या तो ये है कि जबसे हमारे विभाग में नेताओं का आना शुरू हुआ है, तबसे व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। ये नेता लोग तो आते ही हड़ताल और धरना करने लगते हैं। किसी को लाल बत्ती चाहिए, किसी को चाय का टेका। अब बताओ, ऐसे में कैसे काम होगा? बाबूजी ने एक पल के लिए विराम लिया, फिर कोने में रखी पानी की बोतल से गला तर किया। पांडे जी ने पूरी गम्भीरता से पूछा, तो फिर साहब, इसका हल क्या है? बाबूजी ने पांडे जी के कंधे पर हाथ रखा और कहा, अब तुम ही कोई उपाय बताओ, जिससे इन नेताओं को स्वर्ग की बजाय सीधे नर्क में भेजा जा सके, और हमारे महाराजाधिराज का विधान भी बना रहे।

पांडे जी ने कुछ देर तक सोचा, फिर बोले, साहब, ये नेता लोग तो सबसे विकट समस्या हैं। इन्हें तो धरती पर भी कोई ठीक से संभाल नहीं पाया है। मेरा सुझाव है कि हमें इन्हें कुछ दिनों के लिए अनदेखा कर देना चाहिए। आप मुझे कुछ दिनों का अवकाश दीजिए ताकि मैं इस समस्या का स्थायी समाधान खोज सकूं। तब तक के लिए, जो आम लोग हैं, उन्हीं को कार्यालय में आने दीजिए। नेताओं को हाथ न लगाइए, वरना समस्या और बढ़ जाएगी। इतना कहकर पांडे जी ने बाबूजी की अनुमति ली, और अपने मनपसंद गाने को गुनगुनाते हुए कार्यालय से बाहर निकल गए। उनकी रिंगटोन तू चीज बड़ी है मस्त-मस्त गाते हुए वो तेजी से नीचे की ओर भागने लगे, जैसे कोई बड़ी समस्या हल कर दी हो।

अब तक 28 इंच बारिश हो चुकी दर्ज, गत वर्ष से 8 इंच कम

जावरा। शनिवार रात के बाद बारिश रविवार को भी गरज-चमक के साथ जोरदार बरसी। लोगों को उमस से राहत मिली। तेज बारिश से मुख्य मार्गों की सड़कों पर पानी भरने से आवागमन में राहगीरो को परेशान होता देखा गया। रविवार सुबह 8 बजे तक 656 मिलीमीटर यानि 26 इंच बारिश शहर में दर्ज हो चुकी है। रविवार सुबह 8 बजे एक बार फिर से मौसम ने करवट ली और कभी झमाझम तो कभी रिमझिम का दौर देर शाम तक चला। दिनभर में करीब 2 से ढाई इंच बारिश गिरने का अनुमान है। करीब 28 इंच बारिश दर्ज हो चुकी है। गत वर्ष इस अवधि में 901 मिली मीटर यानि (36 इंच) बारिश दर्ज हो चुकी थी। गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष अब तक 8 इंच बारिश कम हुई है।

जन्माष्टमी के त्यौहार के मद्देनजर इन दिनों विभिन्न विद्यालयों तथा जिनालयों में राधा-कृष्ण के वेश में बच्चों को सजा-सवार कर नाटिकाएं प्रस्तुत की जा रही हैं, उसी के चलते राधा रानी के रुप में अपनी विभिन्न मुद्राएं प्रस्तुत कर नृत्य में रत् बालिका निर्वी जैन बरड़िया !

छाया- ऋतुराज चुड़ावनवाला, खाचरौद (उज्जैन)

यूनिक परिवार ने अकेला हनुमान मंदिर पर मनाई जन्माष्टमी

जावरा । जन्माष्टमी भगवान कृष्ण को याद करने उनका सम्मान करने का एक महत्वपूर्ण दिन है, जिनकी शिक्षाओं ने हमें युगों से मार्गदर्शन प्रदान किया। रात के अंधेरे में जन्मे श्रीकृष्ण का जीवन आशा और सदाचार का प्रतीक था ।

अपने कर्मों और भागवत गीता के माध्यम से उन्होंने कर्तव्य, प्रेम और अन्याय का विरोध करने के महत्व पर जोर दिया। उन शिक्षाओं पर विचार करने के लिए एक पल ले और उन्हें अपने जीवन में शामिल करे, दयालुता और संतुलन की दुनिया बनाने का प्रयास करे। यह बात अकेले हनुमान मंदिर पर यूनिक परिवार द्वारा जन्माष्टमी पर्व मनाते हुए मटकी फोड़ माखन चोर प्रतियोगिता के दौरान संजय सुराणा ने कहीं। अरुण संघवी ने बताया कि हमने किसी संस्था का गठन ना करते हुए हमने एक यूनिक परिवार बनाया है, जिसमें 12 सदस्यों का पूरा परिवार है जो हम एक-दूसरे के सुख दुख में काम आ सके।

इस मौके पर अरुण-संगीता संघवी, ललित-आशा जैन, संजय-हंसा सुराणा, मुकेश-मनीषा पगारिया, अतुल-ज्योति सुराणा, अमित-सोनल चत्तर, राजेश-रीना हिंगड़, अतुल-गुंजन ललवानी, रौनक-दिव्या सुराणा, निशित चत्तर, अक्षत हिंगड, अद्रिका सुराणा, जीविशा सुराणा आदि उपस्थित थे। संचालन अमित चतर ने तथा आभार ललित जैन ने माना।

10 माह की बालिका का शव कुएं से मिला, आरोपी जंगल से गिरफ्तार

1 लाख रूपये ईनामी आरोपी को पकडने में राजस्थान की हथुनिया थाना पुलिस को मिली सफलता

जावरा/पिपलोदा/ढोढर फोटो 1,2। कालुखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम लसुड़िया नाथी से गत दिनों 10 माह की बच्ची के अपहरण मामले में कालुखेड़ा थाना पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू की थी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए थाना प्रभारी नीलम चोंगड़, सीएसपी दुर्गेश आर्मो से लेकर एसपी राहुल कुमार लोढा तक टीम गठित कर अपहत मासूम बच्ची को ढूंढने में जुट गए थे।

आरोपी को पकड़ने में हथुनिया थाना पुलिस की बड़ी अहम भूमिका रही। रविवार दोपहर करीब 3 बजे के लगभग 1 लाख रूपये ईनामी अभियुक्त दशरथ पिता रामलाल कटारिया भील को पकड़ने में राजस्थान की हथुनिया थाना पुलिस को सफलता मिल गई। आरोपी पुलिस गिरफ्त में है लेकिन उसने बालिका की हत्या कर दी। कालूखेड़ा पुलिस ने एक खेत के पास बने कुएं से आरोपी की निशानदेही पर मासूम बालिका का शव बरामद किया है।

थाना हथुनिया के बीट कांस्टेबल सुरेश मीणा ने अपनी बहादुरी का परिचय देते हुए बरोठा-पाटनिया जंगल के बीच एक झोपड़ी से बडी मशक्कत के बाद संदिग्ध आरोपी दशरथ भील निवासी लसुड़िया नाथी को गिरफ्तार किया।

मिली जानकारी अनुसार कालुखेड़ा थाना पुलिस को संदिग्ध अभियुक्त दशरथ के प्रतापगढ़ जिले के हथुनियां क्षेत्र के एक जंगल में कच्ची झोपड़ी में छीपकर रहने की जानकारी मिली। इस संबंध में थाना प्रभारी नीलम चोंगड़ द्वारा थाना हथुनिया पर अभियुक्त की तस्वीर व अन्य आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाई गई। जिसके बाद हथुनिया थाना पुलिस भी संदिग्ध अभियुक्त की खोजबीन के लिए जांच में जुट गई। जांच के दौरान रविवार दोपहर में 3 बजे बीट कांस्टेबल सुरेश मीणा ने हथुनिया थाने पर कॉल करके बताया कि संदिग्ध अभियुक्त दशरथ पिता रामलाल कटारीया भील निवासी लसुडिया नाथी के बीट क्षेत्र के बरोठा व पाटनिया जंगल में पुरानी झोपडी में छीपकर रहने की जानकारी मिली थी, जिसे उन्होने मौके पर पहुंचकर पकड़ लिया है, जो भागने की कोशिश कर रहा है। सूचना पर थानाधिकारी इंद्रजीत परमार, प्रधान आरक्षक मनोहरसिंह व अन्य प्राईवेट वाहन लेकर बरोठा पाटनिया के जंगल में पहुंचे। जहां आरक्षक सुरेश द्वारा इनामी अभियुक्त दशरथ कटारीया को पकड़ रखा था। पुरे मामले से थानाधिकारी द्वारा उच्चाधिकारी के माध्यम से कालूखेड़ा थाना पुलिस को सुचित करते हुए आरक्षक सुरेश मीणा की निगरानी में थाना हथुनिया पर रखा। आरक्षक सुरेश मीणा द्वारा 1 लाख के ईनामी अभियुक्त दशरथ को अपने साहस व दम पर अकेले पकड़ने की खबर सोशल मीडिया पर आंधी की तरह फेल गई। अभियुक्त के पकड़े जाने का किस्सा सुनकर हर कोई आरक्षक सुरेश मीणा की प्रशंसा कर रहा है।

आज पूरे मामले का होगा खुलासा

सूचना के बाद कालूखेड़ा पुलिस आरोपी दशरथ को थाना हथुनिया से लेकर आई और आरोपी की निशानदेही पर बालिका का शव बरामद करने में जुट गई। आरोपी के कहे अनुसार शाम को गांव के समीप एक खेत पर बने कुएं में से मासूम बालिका का शव बरामद किया। किन कारणों से अपहरण ओर फिर मासूम बालिका की आरोपी ने हत्या की है, मामले में खबर लिखे जाने तक कालूखेड़ा थाना पुलिस द्वारा कोई खुलासा नहीं किया गया। सीएसपी दुर्गेश आर्मो का कहना है कि अभी आरोपी से पूछताछ नही हुई है, पूछताछ के बाद आज सोमवार को दोपहर 2 बजे जिला मुख्यालय पर पूरे मामले का विस्तृत से खुलासा करेंगे।

घटना वाले दिन से ही जुटे थे विधायक भी

घटना वाले दिन से ही विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय वरिष्ठ अधिकारियों से खोजबीन के लिए संपर्क बनाए हुए थे। मामले को लेकर विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय का कहना है कि बच्ची के साथ जो घटना घटी है यह अत्यंत दुखद पीड़ादायक और कष्ट दायक है, मन दुखी है और विचलीत है। आरोपी को कड़ी सजा देते हुए, इससे संबंधित जो-जो लोग सम्मिलित रहे उन्हे भी सख्त से सख्त सजा दी जाए। आरोपी को सजा ऐसी दी जाए कि भगवान ना करे कोई दूसरा कोई ऐसा कृत्य करे।

शालीभद्र रिद्धि से सिद्धी की ओर नाटक का किया मंचन

मालव ज्योति अमिपूर्णा श्रीजी मसा ने शालीभद्र के जीवन पर डाला प्रकाश

जावरा । श्री जैन मंदिर पिपली बाजार स्थित श्री खरतरगच्छ उपाश्रय पर रविवार को श्री कुशल महिला मंडल द्वारा शालीभद्र रिद्धि से सिद्धी की ओर नाटक का मंचन किया। मंडल द्वारा नाटक के माध्यम से कलाकारों ने सुपात्र दान की महिमा की प्रस्तुति दी। चातुर्मास हेतु विराजित अवंतितीर्थ खरतरागच्छाधिपति आचार्य प्रवर मणिप्रभ सूरीश्वरजी की आज्ञाकिंत छत्तीसगढ़ रत्न शिरोमणि पदविभूषिता मनोहर श्रीजी मसा की सुशिष्या जप साधना साधिका, मालव ज्योति अमिपूर्णा श्रीजी मसा ने शालीभद्र के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पूर्व भव में

गरीब परिवार में जन्म लेने के बाद भी उन्होंने अपने लिए बनाई गई खीर को एक आचार्य भगवंत को बोहराई। इस पुण्य के कारण शालीभद्र का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ जहां प्रतिदिन देवलोक से धन से भरी 99 पेटियां आती थी। जिनका वे परिवार सहित उपभोग करने के साथ दान भी देते थे, वे भगवान महावीर स्वामी के परम अनुयायी थे। एक संत की प्रेरणा से उन्होंने अपनी 32 रानियों एवं धन वैभव का त्याग कर दीक्षा अंगीकार की। इस मौके पर आजादसिंह ढढ्ढा, शांतिलाल मेहता, जयंतीलाल दख, रमेश जैन, सुशील जैन, ललित जैन, जितेंद्र डोसी, विजय बोरदिया, महावीर चंद्रावत, मनोज मेहता, हस्तीमल मेहता, नवनीतसिंह श्रीमाल, राजमल दख, अखिलेश ढढ्ढा आदि श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे। संचालन अंजली काठेड़, शिल्पा तलेरा ने तथा आभार शशि तलेरा ने माना।

इन्होने दी नाटक की प्रस्तुति

नाट्य मंचन में स्वाति जैन, अनुभूति मेहता, मिति मेहता, चेरी मेहता, शालु मेहता, प्रमित काठेड, किरण धारीवाल, रानू ढढ्ढा, काव्या तलेरा, मिनी ढढ्ढा, आंगी जैन, दिव्य छाजेड़, अभिषेक चंद्रावत, सृष्टि चंद्रावत, पारी मेहता,इशीका चंडालिया, भव्या डोसी, आशीष धारीवाल आदि ने प्रस्तुति दी।

बलराम जयंती पर निकली कलश यात्रा, हुई महाआरती

जावरा । अखिल भारतीय श्री धाकड़ युवा संघ द्वारा बलराम जयंती पर कलश यात्रा निकाली। बारिश के बीच धाकड़ समाज सकल पंच द्वारा गीता भवन से प्रारंभ हुए चल समारोह में बडी संख्या में समाजजन शामिल थे। कलश यात्रा व चल समारोह में अश्वमेघ पर युवा हाथ में भगवा ध्वजा लेकर आगे चल रहे थे, मुख्य कलश सत्यनारायण ओरा सपत्नीक कलश धारण किए हुए थे। महिलाओं ने भी अपने सिर पर कलश धारण कर यात्रा में सहभागिता की। समारोह में ढोल की थाप और डीजे की धुन पर समाज की महिलाएं, बालिकाएं नृत्य करते हुए चल रही थी। वही समाजजन सफेद कुर्ता पजामा पहने शामिल हुए।

समारोह का अनेक संस्थाओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। चल समारोह में बग्गी में सवार स्वामीश्री हीरानंदजी महाराज, श्री कृष्ण बलराम की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। कलश यात्रा गीता भवन से प्रारंभ हुई जो गोवर्धननाथ मंदिर, शुक्रवारिया, फूटी बावड़ी, पीपली बाजार, जवाहर पथ, चूड़ी बाजार, बजाजखाना, घंटाघर, खारीवाल मोहल्ला, आजाद चौक से सोमवारिया, होते हुए गीता भवन, खाचरोद नाका से नरसिंह मंदिर धाकड़ धर्मशाला पहुंचा, जहां विधि विधान से पूजा अर्चना कर भगवान कृष्ण-बलराम की आरती की गई। समाजजनों ने महाप्रसादी ग्रहण की।

अरनियापीथा मंडी में प्रस्तावित नवीन लहसुन प्रांगण का क्षेत्रफल दोगुना करने की मांग

जावरा। लहसुन-प्याज व्यापारी संघ के व्यापारियों ने अरनियापीथा मंडी में प्रस्तावित नवीन लहसुन प्रांगण का क्षेत्रफल दुगना करने की मांग करते हुए मंडी बोर्ड संचालक ओर विधायक को एक शिकायती पत्र दिया है। लहसून-प्याज व्यापारी अजीत चत्तर, प्रदीप दसेड़ा, शरद दुगड़, मनीष दसेड़ा, दिलीप दसेड़ा, सुभाष टुकड़िया, कामिल हुसैन, सुनील राठौर, प्रवीण बरमेचा, सुरेश गुप्ता, पवन कटारिया, वर्धमान बरड़िया, शशांक मेहता, निलेश मेहता, अनिल लुणावत, सुमित दीक्षित, विरेन्द्र सिसोदिया ने बताया कि अरनियापीथा मंडी में निर्माणाधीन लहसून प्रांगण नवीन योजना के अनुसार नहीं बन रहा है। ऐसा लगता है कि यहा उप मंडी का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में निर्मित कुल क्षेत्रफल खाचरोद नाका मंडी का लगभग आधा ही है, साथ ही अभी तक किसानों के माल के विक्रय के लिए प्लेट फार्म नहीं है। गिली लहसुन में और ज्यादा तकलीफ का सामना करना पड़ेगा। यहां पर आगामी 100 वर्षों तक व्यापार करने के लिए नई मंडी बनाना है तो मंडी बोर्ड को दोगुनी सुविधा देना चाहिए।

मंदसौर में मंडी का तकनीकी संभाग है, उसे भी दलौदा मंडी जैसा निर्माण तो कम से कम जावरा में करवाना चाहिए। प्लॉट के क्षेत्र में भी एक तरफ 20 फीट खाई है, जहां कालम खड़े करने में तकनीकी रुप से दिक्कत आएगी। साथ ही किसानों के लिए पर्याप्त प्लेट फार्म निर्माण करने तथा कम से कम 300 ट्रॉली के लिए ट्राली शेड का निर्माण करते हुए मण्डी समिति को पूर्ण ले आउट एवं नवीन निर्माण की मंजूरी लेकर ही आगे की कार्यवाही करने की मांग करते हुए व्यापारियों ने विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय, प्रबंध संचालक मण्डी बोर्ड भोपाल से नवीन मण्डी प्रांगण का क्षेत्रफल दोगुना करने की मांग की।

साथ ही कहा कि शीघ्र ही व्यापारी संघ एवं कार्यपालन यंत्री, मंडी सचिव की संयुक्त आवश्यक बैठक आयोजित कर नवीन योजना से प्रांगण का विकास कार्य करें।

वंदना राजेश सोनी राष्ट्रीय संगठन मंत्री नियुक्त

खंडवा। खंडवा गत दिनों भोपाल में आयोजित सर्व स्वर्णकार महा संगठन का छठवां मिलन सम्मेलन, गणेश पूजन के बाद कन्या पूजन कर संपन्न हुआ , जिसमे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमति बालेन्दु सोनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोपाल कृष्णा सोनी, सचिव श्रीमति सुनीता सोनी, श्रीमति सुधा सोनी द्वारा खंडवा की श्रीमति वंदना सोनी को राष्ट्रीय संगठन मंत्री के पद पर मनोनीत किया गया,यह मनोनयन इनके कार्य क्षेत्र को देखकर दिया गया।खंडवा आने पर सर्व स्वर्णकार समाज की महिला मंडल द्वारा श्रीमति वंदना राजेश सोनी का फूल मालाओं से स्वागत किया गया, समाज की वर्षा सोनी ने शुभकामनाएं प्रेषित की, आरती जौहरी ने कहां की समाज के लिए आप नित नए कार्य करे, समाज को ओर आगे बढ़ाएं ऐसी शुभकामनाएं, वंदना सोनी ने आभार व्यक्त कर कहाँ की यह सम्मान पाकर मैं अभिभूत हु, जरुर मैं समाज में एकता अखंडता ओर परस्पर एक जुटता का कार्य कर समाज हित मे कार्य करूंगी, समाज की ममता, इंदु , रेणु, शीतल, कल्पना, राधा, सोनू, दीपिका, प्रीति, ममता सुनील, प्रियंका, देविका आदि स्वर्णकार समाज की महिलाएं शामिल हुई और सभी ने हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं प्रेषित की।

म.प्र.के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल पहुचे ओम्कारेश्वर

खंडवा /मुंदी । मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल रविवार को जिले के तीर्थ स्थल ओम्कारेश्वर पहुचे।इस दौरान उन्होंने सहपरिवार भगवान ओम्कारेश्वर महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया ।मिली जानकारी के अनुसार डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल परिवार के साथ रविवार को बाबा भोलेनाथ के दर्शन करने सुबह ओम्कारेश्वर पहुचे थे जहां उन्होंने मंदिर परिसर मे बैठकर आराधना की इसके साथ ही ओमकार मठ आश्रम परिक्रमा मार्ग पर ब्राह्मण समाज के एक प्रादेशिक चिंतन शिविर मे भी सम्मिलित हुए। इधर मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के ओंकारेश्वर आगमन के दौरान मान्धाता विधायक नारायण पटेल भी ओंकारेश्वर पहुंचे और उनसे भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

बाएफ के 58वें स्थापना दिवस पर जिले के केपीसीएल एफपीओ ने आयोजित किया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

खण्डवा।

नाबार्ड के दस हजार एफपीओ बनाने की केन्द्रीय क्षेत्रीय योजनान्तर्गत खण्डवा जिले के बोरगांव खुर्द क्षेत्र में संचालित केपीसीएल किसान उत्पादक कम्पनी लिमिटेड ने अपने सीबीबीओ बाएफ के 58वें स्थापना दिवस पर कृषक संगोष्ठी के साथ साथ महिंद्रा ट्रैक्टर खंडवा के अभिसरण से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर डॉ. अनिल पटेल के तकनीकी सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में 50 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाईयाँ उपलब्ध करायी गयी। संगोष्ठी में केपीसीएल एफपीओ अध्यक्ष श्री कमलेश पटेल द्वारा बताया गया कि एफपीओ कृषि में लागत कम करने तथा उत्पादन का समुचित मूल्य प्राप्त करने के उद्देश्य को लेकर केपीसीएल किसान उत्पादक कम्पनी लिमिटेड अपने सदस्य किसानों के लिये अनुकरणीय कार्य कर रही है। यही कारण है कि एफपीओ अन्तर्गत आने वाले 13 ग्राम के अलावा भी अन्य गावों के भी किसानों का केपीसीएल एफपीओ के प्रति लगाव में बढ़ा है। उन्होनें बताया कि वर्तमान में एफपीओ का टर्नओवर 71 लाख से अधिक का हो चुका है। कम्पनी के सभी बीओडी तत्परता के साथ कार्य कर रहे है। यही कारण है कि केपीसीएल एफपीओ में 750 से अधिक किसान अपनी सदस्यता ग्रहण करते हुए शेयर होल्डर बन चुके है। कलेक्टर श्री अनुप कुमार सिंह एवं डीडीएम नाबार्ड के मार्गदर्शन अनुसार एफपीओ विभिन्न विभागों से अभिसरण के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को लाभ पहुंचा रहे है। इसी क्रम में एफपीओं को तकनीकी सहयोग प्रदान करने वाली संस्था बाएफ डेव्लपमेंट रिसर्च फ्राउण्डेशन द्वारा ग्रामीण भारत को विगत 58 वर्षों से तकनीकी रुप से मजबूती प्रदान करते हुए 15 राज्यों में 350 से अधिक जिलों में एक लाख गांवों में चालीस लाख से अधिक परिवारों के साथ कार्य कर रही है। बाएफ के 58वें स्थापना दिवस पर संगोष्ठी कर एफपीओ द्वारा बाएफ के जिला परियोजना अधिकारी श्री एच.एन. मालवीय को बोरगांव में अतिथि के रुप में आमन्त्रित करते हुए उनके शुभ हाथों से निःशुल्क मानव स्वास्थ्य शिविर का प्रारम्भ किया गया।

किसान कांग्रेस नेता गजेंद्र सिंह सोलंकी ने उठाया बड़ा मुद्दा

खंडवा। खंडवा सोयाबीन के कम दामों से किसानों को भारी नुकसान केंद्र सरकार की नीति जिम्मेदार....सोयाबीन फसल के कम दामों से किसान परेशान है वर्तमान में सोयाबीन फसल के कम दाम से किसानों का लागत मूल्य भी नहीं निकल रहा केंद्र सरकार की सोयाबीन तेल की आयत नीतियों से किसानों को सोयाबीन के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं जबकि सोयाबीन के उत्पादन लागत?5000 प्रति क्विंटल के आसपास पहुंच चुकी है इधर वर्तमान में मंडी में सोयाबीन की स्थिति देख तो सोयाबीन के 3500 ?4000 कुंतल भाव किसानों के बिक रहे हैं जिसके कारण किसानों को सीधे तौर पर नुकसान पहुंच रहा है केंद्र सरकार विदेशों से सोयाबीन का जीमो तेल मंगवा कर देश के नागरिकों के साथ भी बड़ा खिलवाड़ कर रही है यह मुद्दा किसान कांग्रेस नेता गजेंद्र सिंह सोलंकी ने किसानों के हक में उठाया है सोलंकी ने बताया कि वर्तमान में सोयाबीन की कम हुई कीमतों से किसानों को प्रति वर्ष बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है वही खरीफ के मुख्य फसल होने से कपास एवं सोयाबीन की किसानों को लागत तक नहीं निकल रही सरकार ने सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4892 प्रति कुंटल घोषित कर रखा है जबकि कृषि मंडी में 3200 से ?3600 कुंतल बिक रही है सोलंकी ने कपास के समर्थन मूल्य जिसको की सफेद सोना कहा जाता है?11000 से ?12000 प्रति क्विंटल करने के मुद्दे को उठाया है सोयाबीन पिछले 10 वर्षों के न्यूनतम भाव पर दिख रही है एवं कपास भी जिसका मुख्य कारण केंद्र सरकार की नीतियां है केंद्र सरकार देश में खपत होने वाली मात्रा का 60त्न सोयाबीन तेल विदेश से मंगवा रही है लेकिन देश के किसानों के और ध्यान नहीं रख रही है सरकार अगर आयात पर टैक्स बढ़ा दे तो किसानों को सोयाबीन का उचित दाम मिलने लगेगा पहले सोयविन्ह पर आयात शुल्क 32 फीसदी था जिसको केंद्र सरकार ने घटाकर

नगर परिषद का अल्टीमेटम बेअसर

वार्ड 03 मे चुने की लाइन डाली-अगले दिन रहवासियों की मौखिक आपत्ति, रोड नाली निर्माण कार्य बंद

खंडवा /मुंदी। नगर परिषद मुंदी के वार्ड 3 में कुछ दिनों पूर्व सीसी रोड व नाली का निर्माण शुरू हो गया था लेकिन कुछ कार्य बाकी था जिस पर एक व्यक्ति ने आपत्ति दर्ज कराई थी की नाली निर्माण में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है जिस पर कार्य बंद हो गया था जिस पर आपत्ति का निराकरण होने के बाद नाली बनाने के लिए सीएमओ संजय जैन ने अपनी टीम के साथ एवं उपयंत्री के साथ नाली निर्माण के लिए लेआउट डलवाया और उन्होंने बताया कि नाली नहीं होने के कारण बारिश के दिनों में जल भराव की समस्या होती थी अब लेआउट डाल दिया है और जल्दी नाली बनाकर शोल्डर को भी बना दिया जाएगा जिससे आवागमन जल्दी चालू हो जाएगा और वार्ड वासियों को नाली और सीसी रोड बनने से जल भराव से राहत मिलेगी और समस्या खत्म हो जाएगी। रविवार को निर्माण करने वाले ठेकेदार ने अपने मजदूर ले जाकर नगर परिषद द्वारा डाली गई चुने की हद मे निर्माण कार्य प्रारम्भ किया लेकिन स्थानीय रहवासियों ने मौखिक आपत्ति पेश कर निर्माण कार्य रोक दिया। जबकि शनिवार की सीएमओ संजय जैन एवं उपयंत्री मनीषा पटेल ने चुने की लाइन डलवाकर 24घंटे मे अतिक्रमण हटने की हिदायत दी थी। कुछ लोगो के द्वारा आपत्ति लेने के बाद परिषद का अल्टीमेटम बेअसर नजर आ रहा है। और मुंदी के नवीन निर्माण कार्यों मे अतिक्रमण बड़ा बाधक बनता नजर आ रहा है।

महिला पार्षद दर्ज करा चुकी विरोध धरने की चेतावनी

मुंदी के वार्ड क्रमांक 04कि पार्षद नसीम आरा भी निर्माण कार्यों को लेकर विरोध दर्ज करा चुकी है उन्होंने विगत दिनों मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय जैन को एक लिखित आवेदन देकर उनके वार्ड के विकास कार्यों कोई लेकर पक्षपात करने का आरोप लगाया था।पत्र मे बताया था कि वार्ड मे सडक नाली निर्माण के लिए साल भर से राशि स्वीकृत होने के बावजूद निर्माण कार्य चालू नहीं कराये गए। निर्माण कार्यों में देरी होने पर उन्होंने नगर पालिका के सामने धरना देने तक की बात अपने लिखित आवेदन पत्र में कही थी। इधर कुछ दिन पूर्व नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह पटेल भी सोशल मिडिया पर नगर के गणगौर चौक मे अतिक्रमण होने को लेकर परिषद पर सवाल उठा चुके है। जो जांच का विषय है।

माटी गणेश प्रतिमा बनाना सिखाया

खंडवा । सेंट पॉल स्कूल छेगावँ में छात्र-छात्राओं ने उत्साह से माटी की प्रतिमा बनाना सीखा। प्राचार्या आशिमा पिल्ले ने कहां की संस्कृति बचाने एवम भावी पीढ़ी को जागरूक कर सृजन से विसर्जन तक जीवन दर्शन का परिचय कराने वाले धर्मेंद्र जौहरी गणेश चतुर्थी से 20 दिन पूर्व से अपने निवास पर मिट्टी देकर प्रतिमा बनाना निःशुल्क सिखाते है। खंडवा जिले की प्रथम कार्यशाला आयोजित कर, विगत 8 वर्षों से 8000 से भी ज्यादा लोगो को मिट्टी के इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा बनाना सिखाया है,प्रतिवर्ष सीखने वाले लोगो ओर स्वयं के द्वारा हस्त निर्मित सेकड़ो माटी की गणेश मूर्तियों निःशुल्क भेट करना भी सनातन संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान है। उपलब्धि यह है कि नेत्रहीन छात्रों को भी प्रशिक्षण दिया,जिसमे 80त्नसफल भी हुए एवं माटी की प्रतिमा लंदन तक जाना अनुकरणीय है।। कोरोना काल मे भी 151 प्रतिमा जौहरी के द्वारा निर्मित कर स्वजनों को निःशुल्क भेट की, कला की प्रशंसा सराहना कैबिनेट शिक्षामंत्री रहते डॉ. मोहन यादव जी द्वारा की जा चुकी है। जेसीआई की पहल एवम उत्साहवर्धन साथ हमेशा मिलता है,,ओर जिनके द्वारा प्रतिमाए बनती है उन्हें भेंट स्वरूप प्रतिमाएं वितरण की जाती है। छात्र-छात्राओं को लक्ष्मी नायर ने संकल्प दिलाया कि हमारे घरों में माटी की ही प्रतिमा स्थापित करें, साथ ही चेतना प्रजापति,सोनम चौहान,दीपशिखा आदि मैडम उपस्थित रही एवं आभार रैना सोनी ने माना

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ की बैठक: जिला कार्यकारिणी की हुई घोषणा, शीला फूलमाली अध्यक्ष और संगीता यादव सचिव नियुक्त

खंडवा। भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ की खंडवा में बैठक आहूत हुई, इस बैठक में खंडवा जिले से आगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका उपस्थित रही। प्रदेश की संयुक्त महामंत्री आशा आमोदे, निर्वाचन अधिकारी ने प्रक्रियाबद्ध होकर खंडवा जिले की कार्यकारिणी घोषित की। इस अवसर भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष वंदना राजोरिया ने बताया कि सभी कार्यकर्ता/ सहायिकाओं की सहमति से जिला अध्यक्ष शीला फूलमाली, सचिव संगीता यादव, कोषाध्यक्ष पूजा पांडे को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष बनारस परदेसी, विजयलक्ष्मी डोडिया, सपना वर्मा, सह सचिव चंद्रकांता प्रजापति, सुमन खांडे, शकीला बानो, कार्यालय मंत्री प्रीति वर्मा, प्रचार मंत्री सीता सइते, नगर अध्यक्ष कामिया बघेल, नगर सचिव भागवत दमाडे नवनियुक्त होकर अन्य कार्यकर्ता/सहायिकाएं उपस्थित रहीं। विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में छाया पाठक, अनीता कुल्हरे उपस्थित रहीं। भामस खण्डवा की ओर प्रभारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि सभी पदाधिकारी संगठन की मजबूती के लिए काम करें और अपने दायित्व को पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से निभाएं। नवीन कार्यकारिणी गठन पर भारतीय मजदूर संघ की ओर से अध्यक्ष विजय सनावा एवं जिला मंत्री राजीव मालवीय द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई प्रेषित की गई। आभार अध्यक्ष शीला फूलमाली द्वारा व्यक्त किया गया।फोटो आंगन वाड़ी कार्यकर्त्ताओ की

ब्राह्मण समाज के एक दिवसीय चिंतन शिविर में पहुंचे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला

ओंकारेश्वर ममलेश्वर नर्मदा का पूजन कर सम्मेलन मे ब्राह्मणों के हित में की बात

ओंकारेश्वर (निप्र)।

रिमझिम रिमझिम बरसात के बीच प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने चिंतन शिविर में पहुंचकर ब्राह्मण समाज के द्वारा एकदिवसीय कार्यक्रम आयोजन में भाग लिया ब्राह्मण समाज के द्वारा दिए गए ज्ञापन पर मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा आप लोगों की मांग को गंभरता से लेकर हल करने का हर संभव प्रयास करेंगे मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने ओंकारेश्वर,ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग पश्चात मां नर्मदा का पूजन किया पश्चात कार मठ स्थित ब्राह्मण समाज के प्रादेशिक चिंतन शिविर में शामिल हुए परशुराम के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया ब्राम्हण समाज के प्रबुद्ध जनों ने समाज के प्रति कमजोर वर्ग को आरक्षण एवं गरीब बच्चों को पढ़ाई लिखाई आदि की सुविधा मिल सके यह विचार व्यक्त किए पत्रकारों से चर्चा में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा आज ओंकारेश्वर की पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला यह मेरा सौभाग्य है कि भगवान ज्योतिर्लिंग ममलेश्वर के दर्शन करने एवं मां नर्मदा के पूजन पाठ करने का अदभुत अवसर मिला ओंकोश्वर में शंकराचार्य जी की 108 फीट की जो भव्य प्रतिमा है उसके दर्शन करने का सौभाग्य भी मिला मैं अपना आपको बडा सौभाग्यशाली मानता हूं कि सनातन धर्म को एक सूत्र में बांधने वाले भगवान शंकराचार्य जी ने यहां की पवित्र भूमि से शिक्षा लेकर चारों मठों की स्थापना की जो सनातन संस्कृति को एकसूत्र में बांधने एवं उसकी रक्षा कर रहा हैं . श्री शुक्ला ने कहा हम समाज एवं देश को आगे बढ़ाने के लिए हमारा योगदान कर सकते हैं ओंकारेश्वर के संबंध में कहा कि उज्जैन महाकाल लोग निर्माण के बाद ज्यादा श्रद्धालुओं आने लगे हैं ओंकारेश्वर में विकास की अपार संभावनाएं है केंद्र एवं प्रदेश सरकार यहां के विकास को देखकर एडवांस प्लानिंग करके तैयारी कर रही है और काफी कुछ व्यवस्थाएं की जा रही है जिससे कि देश दुनिया से आने वाले हैं श्रद्धालुओं के लिए अच्छा प्रबंध हो सके । ज्यादा से ज्यादा व्यक्ति ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में जो भी मूलभूत सुविधा की जरूरत होगी उसका रोड मैप प्लान करके और संबंधित विभाग से बात करूंगा।

खंडवा के विघ्नहर्ता का आज होगा आगमन

खंडवा। सिंधी समाज गणेश उत्सव समिति द्वारा मोघट रोड स्थित बगीचा ग्राउंड में इस वर्ष भी चिंतामणि गणेश जी महाराज की भव्य और आकर्षक मूर्ति की स्थापना की जाएगी। समाज के प्रवक्ता कमल नागपाल ने बताया कि विगत 10 वर्षों से युवा वर्ग द्वारा बेहद अनुशासित और गरिमामय रूप से मूर्ति स्थापना की जा रही है।पार्किंग की माकूल व्यवस्था के साथ ही बच्चों के लिए खेलने और जलपान के आकर्षण के चलते बड़ी संख्या में शहर की धर्मप्रेमी जनता इस जगह दर्शन हेतु सपरिवार आती है।इस बार बुरहानपुर के प्रसिद्ध मूर्तिकार अतुल वैद्य (वैद्य ब्रदर्स) द्वारा निर्मित 25 फीट ऊंची रंगारंग भव्य गणेश जी की मूर्ति की स्थापना होने जा रही है।26 अगस्त सोमवार जन्माष्टमी के पावन पर्व की रात्रि लगभग 8 बजे यह मूर्ति खंडवा के धर्मशाला ग्राउंड पर पहुंचेगी।सिंधी समाज गणेश उत्सव समिति के समस्त सदस्य बप्पा की भव्य अगवानी के लिए तैयार हैं।खंडवा के विघ्नहर्ता का रंगारंग आतिशबाजी के साथ स्वागत अभिनंदन किया जायेगा।समिति सदस्यों ने शहर वासियों से पारिवारिक गणेशोत्सव का आनंद उठाने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

आर्थिक सहायता के लिए किया जाएगा पात्र व्यक्ति का चयन

खंडवा/मोरटक्का। समाज के प्रतिभावान बच्चों को आर्थिक मदद पहुंचाने में पोरवाड़ सहायक फंड संस्था देवदूत साबित हो रही है ।संस्था के मीडिया प्रभारी प्रेमांशु चौधरी एवं उपाध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि दिगंबर जैन समाज के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षा एवं चिकित्सा में सहयोग करने के लिए पोरवाड़ सहायक फंड के सदस्यों की एक मीटिंग 29 अगस्त गुरुवार को दोपहर 1.30 बजे मोरटक्का जैन धर्मशाला में आयोजित की गई है। जिसमें कमेटी एवं समाजजनों के विचार विमर्श से पात्र जरूरतमंद व्यक्ति का चयन कर आर्थिक रूप से मदद की जाएगी ।जैन समाज की यह संस्था 80 वर्षों से लगातार विद्यार्थियों की मदद करती आ रही है, जिसके फलस्वरूप अनेक बच्चे संस्था से सहयोग राशि प्राप्त कर उच्च पदों पर आसीत हुए हैं एवं सक्षम होने के बाद स्वयं एवं उनका परिवार यथा संभव सहायक फंड में स्वेच्छा से दान दे रहे है,ताकि जरूरतमंद को इसका लाभ मिल सकें। संस्था अध्यक्ष राजमल जैन एवं महामंत्री निशिथ जैन ने पोरवाड़ सहायक फंड सदस्यों से अपने सकारात्मक सुझावों के साथ मोरटक्का जैन धर्मशाला में आयोजित मीटिंग में शामिल होने का आग्रह किया है।

विनीत धनवारिया इंटरनेशनल एमडीआरटी कॉन्फ्रेंस दुबई के लिए हुए रवाना

खंडवा।। भारतीय जीवन बीमा निगम खंडवा शाखा के प्रथम् अभिकर्ता विनीत धनवारिया मिलियन डॉलर राउंड टेबल में सम्मानित होने पर एलआईसी की ओर से दुबई में आयोजित ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए रवाना हुए। श्री धनवारिया खंडवा से मुंबई पहुंचेंगे और वहां से दुबई के लिए 26 अगस्त से 4 सितम्बर तक कॉन्फ्रेंस मे पहुंचेंगे। एमडीआरटी बीमा पेशावरों का एक अंतरराष्ट्रीय फाउंडेशन है जिसमें दुनिया भर से केवल 0.1त बीमा सलाहकार शामिल हो पाते हैं। श्री धनवारिया को इस उपलब्धि पर शाखा प्रबंधक राजेश शर्मा, विकास अधिकारी दिनेश श्रीवंश, मनीष शुक्ला, निर्मल मंगवानी, समस्त स्टाप, अभिकर्ता साथियों, मित्रों, परिजनों आदि द्वारा बधाई प्रेषित की गई है।

विसर्जन की परंपरा बने प्रकृति के नवसृजन का आधार...

इंदौर। मालवमंथन पिछले कई वर्षों से एक अनुपम पहल करता है।जिसका नाम है विसर्जन से सृजन अर्थात शुद्ध पीली मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाते समय उनके अंदर औषधीय पौधों के बीज डाल देना ता की घर मे उनके विसर्जन के बाद एक नए पौधे का सृजन हो सके जिससे हमारे जलाशय तो सुरक्षित रहेंगे साथ ही पर्यावरण भी पल्लवित होगा। उक्त उदगार पर्यावरणविद स्वप्निल व्यास ने महर्षि विद्या मंदिर, साठ्य तुकोगंज, इंदौर में इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला में व्यक्त किए विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती निशा वर्मा ने कहा महर्षि विद्या मंदिर में आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अध्यात्म,संस्कृति एवं संस्कारो की लोक शिक्षा भी हम हमारे विद्यार्थियों को देते हैं। जिसमें प्रकृति, पर्यावरण की रक्षा प्रमुख होती है। वहीं कार्यशाला में प्रतिमा निर्माण का प्रशिक्षण श्रीमती रोशनी बागड़ी ने दिया कार्यक्रम दीपाली चौहान ज्योति कुण्डलियार, सक्षम भंडारी,मयूर बागड़ी,रीतू थनवर,अलका भार्गव उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में की झाबुआ जिले की प्रशंसा

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम में झाबुआ जिले की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि झाबुआ जिले के सफाईकर्मी भाई-बहनों ने वेस्ट टू वेल्थ के संदेश को सच्चाई में बदलकर दिखाया है। सफाई कामगारों ने सही तरीके से रिड्यूस-रियूज-रिसाइकिल का मंत्र अपनाया है। सफाई कामगारों की टीम ने झाबुआ के पार्क में जो कचरे से आर्ट वर्क्स तैयार किया है, वह अद्भुत है। पर्यावरण संरक्षण के लिये यह एक सराहनीय कार्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर से मन की बात कार्यक्रम को सुना। उल्लेखनीय है कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान 2024 के तहत झाबुआ कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति कविता सिंगार के निर्देशन में नगर पालिका झाबुआ के डा.भीमराव अम्बेडकर पार्क में 3क्र (रिड्यूस-रियूज-रिसाइकिल) पार्क बनाया गया है, जिसमें शहर में उपयोग उपरांत फेंके गये वेस्ट मटेरियल से विभिन्न कलाकृतियाँ बनाई गई हैं। प्लास्टिक बाटलों, पुराने टायरों, पुराने पाइप आदि वेस्ट मटेरियल का उपयोग करके हेलिकॉप्टर, तोपें, कार, जेएमसी (झाबुआ नगर पालिका लोगो), पान के पत्ते, यातायात सिंगल पाईन्ट, दीवार, पौधों हेतु क्यारीयां, गमले, बैंच, सोफे आदि की अद्भुत कलाकृतियां बनाई गई हैं।

मेहता अध्यक्ष, पोरवाल सचिव

इंदौर। श्री जांगड़ा पोरवाल समाज की इकाई नव जागृति महिला मंडल के चुनाव पिछले दिनों बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुए सर्वाधिक मतों से श्रीमति हेमलता घाटिया को विजयश्री प्राप्त हुई। अध्यक्ष श्रीमती सुधा मेहता,उपाध्यक्ष श्रीमती कुसुम धनोतिया कोषाध्यक्ष श्रीमती संध्या सेठिया, सचिव श्रीमती कविता पोरवाल को मनोनीत किया गया एवं पंद्रह सदस्यों की कार्यकारणी भी बनाई गई। श्री कार्सयकारिणी और अध्यक्ष को समाजजनों ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

सक्षम संस्था व लायन्स क्लब खण्डवा ने किया नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े का शुभारंभ

अंध विश्वास के कारण लाखो लोगो को रहना पड़ रहा है अंधेरे में

खण्डवा।

लायन्स क्लब खण्डवा द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर में नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े का शुभारंभ किया गया।जानकारी देते हुए नारायण बाहेती ने बताया कि सक्षम संस्था, लायन्स क्लब खण्डवा व लियो क्लब खण्डवा द्वारा जिला दृष्टिविहीनता नियंत्रण समिति व लायन्स नेत्रदान देहदान जनजागृति समिति खण्डवा द्वारा 25 अगस्त से 8 सितंबर तक नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है।25 अगस्त रविवार को जिला चिकित्सालय परिसर में अध्यक्ष अणिमा उअेजा, सचिव घनश्याम वाधवा,कोषाध्यक्ष वसीम कुरेशी, झोंन चेयरमेन राजीव मालवीय, सक्षम संस्था के जिला अध्यक्ष नारायण बाहेती, सचिव सुरेन्द्र सिंह सोलंकी कोषाध्यक्ष राजीव शर्मा व नेतृत्व में नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े का आयोजन किया गया। लायन्स क्लब व समिति द्वारा समिति के नारायण बाहेती, डॉ सोमिल जैन, नेत्र सहायक प्रहलाद तिरोले,सुरेन्द्र सिंह सोलंकी ,अनिल बाहेती, गांधी प्रसाद गदले,राजीव शर्मा,राजीव मालवीय, डॉ राधेश्याम पटेल,महेश पटेल,घनश्याम वाधवा,अखिलेश गुप्ता,चंचल गुप्ता , लायन्स व सक्षम व एम के आई बैंक व जिला अधिनस्थ निवारण समिति द्वारा अनेको वर्षों से नेत्रदान जागरूकता के आयोजन कर हजारों नेत्रदान के संकल्प पत्र भरवाये गए। 499 व्यक्तियों के निधन उपरांत आंखों से कार्निया (पारदर्शी झिल्ली) निकालकर आई बैंक भेजे गए। मरणोपरांत नेत्रदान में सबसे बड़ी बाधा लोगो मे यह अंध विश्वास है कि

यदि हम नेत्रदान करेगें तो अगले जन्म में बिना आंखों के जन्म होगा। जागरूकता के माध्यम से इस अंध विश्वास को दूर करना आवश्यक है।

कार्यक्रम में बताया गया कि हर वर्ष भारत मे बहुत बड़ी संख्या में कार्निया खराब होने से अंधत्व से ग्रसित हो रहे है। हर वर्ष 2 . 5 लाख कार्निया की आवश्यकता होती है ।नेत्रदान से केवल 50 हजार कार्निया प्राप्त होते हैं।यदि मरणोपरांत सभी लोग नेत्रदान करें तो कुछ ही माह में हमारा भारत कार्निया ब्लाइंड मुक्त हो सकता हैं।नेत्रदान में सिर्फ कार्निया निकाला जाता पूरी आंख नहीं निकाली जाती है।जिससे चेहरा विभत्स नही होता।परिवार की सहमति से मरने के 6 घंटे बाद तक नेत्रदान किया जा सकता है।नेत्रदान निःशुल्क होता है।शव जिस स्थान पर हो वहाँ जाकर किया जाता हैं।किसी भी उम्र के व्यक्ति के नेत्रदान किये जा सकते है। कार्निया ब्लाइंड के लिए कार्निया प्रत्यारोपण के लिए सिर्फ काम आती है दान की हुई आंखों के कार्निया। अब 1 स्वस्थ्य कार्निया से तीन लोग रोशनी प्राप्त कर सकते हैं। शुभारंभ समारोह में प्रहलाद तिरोले,राजीव शर्मा,गांधी प्रसाद गदले,घनश्याम वाधवा,सुरेन्द्र सोलंकी ,सुशीला गदले,शैलू अग्रवाल ने नेत्रदान की जानकारी दी। 5 व्यक्तियों ने नेत्रदान घोषणा पत्र भरकर दिए। कार्यक्रम का संचालन राजीव शर्मा ने व घनश्याम वाधवा ने सभी का आभार माना।

बोरगांव बुजुर्ग में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई

खंडवा। खंडवा में इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर स्थित बोरगांव बुजुर्ग में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। रात में खिड़की, शटर तोड़कर दो सराफा दुकान से लाखों का सोना-चांदी चोरी हुआ है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें एक साथ 9 बदमाश दिखाई दे रहे है। एक दुकान में शटर तो दूसरी में खिड़की तोड़कर घुसे और सोना-चांदी व नकदी ले गए।

घटना की सूचना के बाद पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए है। डॉग

स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम भी जांच में जुटी हुई है। सीसीटीवी के अलावा फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को कुछ साक्ष्य मिले हैं। दुकानों को सील कर दिया गया है। दुकान मालिक सराफा व्यापारी भी चोरी हुए सामान का आंकलन नहीं कर पाए है। दावा किया जा रहा है कि, जल्द ही बदमाश पकड़े जाएंगे। जिले में बीते एक हफ्ते में दीवाल गांव के बाद यह दूसरी सबसे बड़ी चोरी है। चौकी प्रभारी बोले- सिर्फ सीसीटीवी फुटेज हाथ लगे

बोरगांव चौकी प्रभारी रामप्रकाश यादव का कहना है कि, फिलहाल पुलिस को किसी प्रकार की सफलता नहीं मिली है। सिर्फ दुकानों के सीसीटीवी फुटेज हाथ लगे हैं। अन्य जगह के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। बदमाश किस ओर जा रहे है, यह पता लगाने में पुलिस जुटी हुई है। आरोपियों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। मौके का फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट व डॉग स्क्वायड ने भी जायजा लिया है।

श्रीकृष्ण जी के जीवन में प्रबंधन के सूत्र दिखाई देते हैं श्री जैन

खंडवा। शासकीय मोतीलाल नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जन्माष्टमी के पूर्व कक्षा छठवीं से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए मटकी फोड़ का आयोजन रखा ।इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर शिक्षक आनंद कुमार जैन ने श्री कृष्ण के जीवन में निहित प्रबंधन के सूत्र समझाएं। प्रभारी प्राचार्य रूबीया अली ने महाभारत के प्रसंग सुनाए । सुधीर देशपांडे जी ने गीता का महत्व बताया।संचालन उमा भाटे ने किया आभार प्रकाश चंद उपाध्याय ने माना। चित्रकला प्रतियोगिता अंतर्गत बहुत सारे विद्यार्थियों ने चंद्रयान एवं श्री कृष्ण जी के चित्र बना कर प्रदर्शित किय।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण

इंदौर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा इन्दौर में खंडवा रोड स्थित अरिहन्त कॉलेज में दिनांक 24 अगस्त को श्री गणेश जी की प्रतिमा तैयार करने हेतु प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया ।

सरस्वती पूजन के पश्चात समाजसेवी प्रशिक्षिका सुश्री जया शेट्टी ने प्रतिमा के लिए मिट्टी तैयार करने की प्रक्रिया बताते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया । मंत्रोच्चार के साथ प्रशिक्षण सत्र प्रारम्भ हुआ और सभी 51 प्रशिक्षणार्थियों की सुन्दर प्रतिमा तैयार हो गई । इसके पश्चात सुश्री जया शेट्टी ने मूर्ति पर प्राकृतिक रंग ही लगाने का संदेश दिया । महाविद्यालय की सी ई ओ कविता कोठारी कासलीवाल विशेष रूप से उपस्थित रहीं । डॉ. सरिता शर्मा ने आभार व्यक्त किया ।

अनुभूति विज्ञन सेवा संस्थान में बच्चों ने रक्षा बंधन का त्योहार मनाया

इंदौर। अनुभूति विज्ञन सेवा संस्थान में बच्चों ने रक्षा बंधन का त्योहार बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया। इस अवसर पर सभी बालिकाओं ने संस्थान में पढ़ रहे बालकों को रक्षा सूत्र बांधे। इस आयोजन में संस्था की सचिव श्रीमती चंचल सलारिया ने बच्चों को रक्षा बंधन की परंपराओं और महत्व के बारे में बताया। यह आयोजन भावुक और आनंदमय रहा , जिसमें सभी ने मिलकर स्नेह का पर्व मनाया। बच्चों ने एक-दूसरे को राखी बांधते समय मिठाइयाँ भी खिलाईं, जिससे त्योहार की खुशी और भी बढ़ गई। संस्थान द्वारा बच्चों को मिठाईयों की व्यवस्था विशेष तौर पर उपलब्ध कराई गई। मिठाइयों की मिठास और रंग-बिरंगे रक्षा सूत्रों से सजी थालियाँ इस खास दिन को और भी मधुर और यादगार बना रही थीं। नाज़िया खान, गीता डुब्बे, संजय चौहान, और कश्मीरा अन्सारी ने गीत-संगीत की रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे आयोजन में हर्ष, उल्लास और आनंद का वातावरण बन गया। राखी बांधने की प्रक्रिया ने संस्थान में एक पारिवारिक माहौल को और भी मजबूत किया।

महाआरती के दौरान श्री झूलेलाल जी से वर्षा से हो रही हानि को रोकने की गई अरदास

खंडवा। सिंधी कॉलोनी स्थित प्राचीन श्री झूलेलाल मंदिर में श्री झूलेलाल नवयुवक मंडल के तत्वावधान में सिंधी समाज द्वारा 40 दिनों तक निर्विघ्नं रुप से चालिहा पर्व बड़ी श्रद्धा आस्था के साथ मनाया गया।

समाप्ति पर 21 जोडों व्दारा सामुहिक हवन यज्ञ, महा आरती एवं बहराणा साहिब का विशाल चल समारोह निकाला गया। यह जानकारी देते हुए मंडल अध्यक्ष मोहन दीवान एवं प्रवक्ता निर्मल मंगवानी ने बताया कि शनिवार प्रातः 10 बजे समाज के पंडित धर्मेंद्र शर्मा द्वारा विधि-विधान मंत्र उच्चारण के साथ मंदिर परिसर में 21 जोड़ों व्दारा सामुहिक हवन यज्ञ का आयोजन हुआ। दोपहर 2 बजे से बहराणा साहिब श्री शोभायात्रा विशाल चल समारोह भक्तिमय गीतों भजनों और डीजे

की मधुर स्वर लहरियों के बीच कलश यात्रा के साथ माता बहनों की उपस्थिति में सिंधी कॉलोनी एवं टैगोर कालोनी के विभिन्न मार्गो से निकाला गया। चल समारोह का जगह जगह पुष्प वर्षा से समाजजनों द्वारा स्वागत किया गया। कलशों का विसर्जन मंदिर स्थित पवित्र कुंड में किया गया। रात्रि 8 बजे महाआरती के दौरान समाजजनों द्वारा पूर्ण श्रद्धा एवं विश्वास के साथ वरुणावतार भगवान श्री झूलेलाल जी से देश की खुशाहाली, सुख शाति एवं हरियाली की कामना के साथ अतिवर्षा से हो रही जन हानि को रोकने की अरदास की गई । समर्थ पैनल अध्यक्ष प्रदीप कोटवानी ने कहा कि मंदिर में प्रतिदिन श्री पीपलेश्वर झूलेलाल भजन मंडली के सदस्यों द्वारा प्रातःकाल पूजा, अखा, आरती एवं अरदास संपन्न हुई। वही श्री झूलेलाल समर्थ पैनल द्वारा संध्याकालीन आरती में प्रतिदिन अनेक समाजजनों ने भगवान श्री झूलेलाल के समक्ष अपने जन्मदिन अवसर पर मिल्क केक काटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान श्री पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष गेहीराम सितलानी, मनोहर सबनानी, मोहन दीवान, नंदलाल भोजवानी, हरीश आसवानी, रामचंद्र दुल्हानी, किशनचंद कोटवानी, रवि गिदवानी, पवन डेम्बरा, धरमदास उधलानी, अशोक मंगवानी, अशोक नावानी, निर्मल मंगवानी, राम वासवानी, रामू जैठवानी , विक्रम सहजवानी, मनोहर संतवानी, पवन वासवानी, किशोर मंगवानी, जितेंद्र उदासी, कमलेश हीरानी, शेखर चंदवानी, अजय आहूजा, संजय सबनानी, जयरामदास खेमानी, राजेश वाधवा, ईश्वर जेठवानी, हरीश मलानी, कन्हैयालाल सहजवानी, माता बहनों आदि सहित समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

खंडवा शहर मे मोटर सायकल चोरी करने वाले आरोपी गिरफतार

खंडवा।

खंडवा शहर में लगातार मोटर सायकल चोरियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक खंडवा श्री मनोज कुमार राय के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(शहर) श्री महेन्द्र तारणेकर एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद सिंह तोमर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली खंडवा श्री सुरेश जाधव के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

टीम द्वारा शहर में हो रही लगातार मोटर सायकल चोरी की घटना को चिन्हित कर मुखबिर के माध्यम से संदिग्ध आरोपियों की तलाश एवं पतारसी प्रारंभ की गई। टीम को दिनांक 25.08.2024 को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति शहर मे चोरी की मोटर साइकिल को बिक्री करने हेतु ग्राहक ढूंढ रहे हैं।

मुखबिर सूचना पर संदिग्धों की तलाश हेतु टीम को रवाना किया गया। टीम द्वारा 03 संदिग्ध व्यक्तियों को मोटर साइकिल सहित पकड़ा, जिनके पास मोटर साइकिल के दस्तावेज नहीं थे तीनों से अलग अलग पूछताछ की गई तो आरोपी इरफान पिता शब्बीर खान मुस. उम्र 28 साल निवासी ग्राम सिकंदर खेडी थाना सतवास, देवास ने काले रंग की हीरो कंपनी की मोटर सायकल स्पेलन्डर क्रमांक एमपी 12 एन 2028 के संबंध में बताया कि करीबन 20 से 25 दिन पहले कहारवाडी खंडवा से अपने साथी सोनू पिता मोहनलाल निवासी हरदा के साथ मिलकर रात्रि में चोरी किया था। आरोपी के कब्जे से उक्त मोटर साइकिल जप्त की गई इस संबंध में थाना कोतवाली खंडवा मे अपराध क्रमांक 506/2024 धारा 303(2) बीएनएस का दर्ज होने पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी इकबाल पिता मम्मू खान मुस. उम्र 24 साल निवासी ग्राम सिकंदर खेडी थाना सतवास, देवास के कब्जे से प्राप्त काले रंग की हीरो कंपनी की मोटर सायकल आई स्मार्ट क्रमांक एमपी 12 एमपी 8714 के संबंध में पूछताछ की गई जो बताया कि करीबन 1 माह पूर्व बाम्बे बाजार खंडवा से अपने साथी अभिषेक पिता महेश विश्नोई निवासी जालवा, हरदा के साथ रात्रि में चोरी किया था। आरोपी के कब्जे से उक्त मोटर साइकिल जप्त की गई इस संबंध में थाना कोतवाली खंडवा मे अपराध क्रमांक 459/2024 धारा 303(2) बीएनएस का दर्ज होने पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी आनंद पिता सागर मस्कोले उम्र 21 साल जाति गोंड निवासी ग्राम बरछा थाना खातेगाँव, देवास के कब्जे से प्राप्त मेहरून रंग की होण्डा कंपनी की मोटर सायकल साईन क्रमांक एमपी 12 एमएक्स 9408 के संबंध में पूछताछ की गई जो बताया कि करीबन 10 से 12 दिन पहले अनांज मण्डी के पास खंडवा से अपने साथी बंटी पिता अशोक निवासी भगवानपुरा, खंडवा एवं तरूण पिता कैलाश मालवीय निवासी साईलिया खेडी खंडवा के साथ रात्रि में चुराना बताया। आरोपी के कब्जे से उक्त मोटर साइकिल जप्त की गई इस संबंध में थाना कोतवाली खंडवा मे अपराध क्रमांक 496/2024 धारा 303(2) बीएनएस का दर्ज होने पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

जप्त मशरुका– कुल 03 नग मोटर सायकल कीमती 1.50 लाख रूपये।

सराहनीय भूमिका– उप निरीक्षक सुरेश जाधव थाना प्रभारी कोतवाली, सउनि. प्रकाश ठाकरे, प्र.आर. 389 सोहेल खान, प्र.आर. 73 पंकज तोडावत, प्र.आर. 222 अमित, आरक्षक 373 आशीष भदौरिया, आरक्षक 215 दिनेश मीणा एवं प्रआर. 226 महेन्द्र वर्मा, प्रआर 456 अमर प्रजापति थाना मोघट रोड का योगदान रहा हैं। जिन्हे नगद ईनाम से पुरस्कृत किया जा रहा है।

राग दरबारी

राजनीति और विनेश फोगाट

मुखिया जी ने अपने सेवक घोंचू दास से पूछा-चौपाल का खबरी पटवारी लाल किस खोह मे छिप गया है ।चौपाल में लोग आते हैं और पूछते हैं- विनेश फोगाट कि चर्चाएं चारों तरफ हो रही है और हम चौपाल के लोग इस खबर से बेखबर है? ऐसे समय में पटवारी नदारत है ? मुखिया जी पटवारी नदारत नहीं है वह पक्का खबर लेकर आएगा । वह देखिए मुखिया जी,,!-माथे पर पगड़ी बांधे चौपाल मैदान में वह घुस रहा है पटवारी ? मुखिया जी ने पूछा-पटवारी कहां लटक गया था -? तुम्हारा चरित्र देश के टिकडमी नेताओं की तरह बनते जा रहा है। चौपाल में प्राइमरी खबर नहीं पहुंचाते हो और तरह-तरह की बहान बना लेते हो ,? नही मुखिया जी विनेश फोगाट के साथ जो हुआ है उसको लेकर पूरे देश के लोग चिंतित है और तरह -तरह के सवाल खड़े किए जा रहे हैं । देश की बिटिया देश का तिरंगा झंडा फहराने के लिए पेरिस ओलंपिक में गई हुई थी। कुश्ती में उसका गोल्ड मेडल मिलना तय था। खेल के दुनिया से उसे बाहर निकाल देने की साजिश रच दी गई। मंत्र एक सौ ग्राम वजन बढ़ जाने के कारण उसे अयोग्य घोषित कर दिया गया। ऐसा हुआ क्यों,? दुनिया के की सर्वश्रेष्ठ कुश्ती खिलाड़ियों को पछड देने वाली विनेश फोगाट को खेल मैदान से बाहर क्यों किया गया? दिनेश फोगाट के साथ क्या हुआ है और लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे है ।

दुनिया के तीन सर्वश्रेष्ठ महिला पहलवानों को उसने पटकनी देने के बाद फाइनल में उसे क्यों वंचित होना पड़ा। लोग कहते हैं-जितने मुंह उतनी बातें लोग कहते हैं । तत्कालीन कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के ऊपर यौन शोषण का आरोप लगाकर सरकार से इंसाफ की मांग की सरकार ने जब इस पर ध्यान नहीं दिय ।वह अपने सहकर्मी खिलाड़ियों को लेकर वह धरना पर बैठ गई। बृजभूषण शरण सिंह तो सरकार के नाक के बाल थे । उन्हें बचाने में सरकारी तंत्र सक्रिय हो गई। तथा पुलिस बल द्वारा धरना स्थल से उठने के लिए भीषण बल प्रयोग किया गया। खिलाड़ी सब चिल्लाती रही उन्हें घसीट कर कैस पड़कर धरना स्थल से बाहर किया गया। कहीं इसी का बदला तो विनेश फोगाट से तो? नहीं लिया गया है? यह जांच का विषय है ।

दिनेश फोगाट को संभालने के लिए उसकी देशभाल के लिए डॉक्टर कोच और बड़ी संख्या में लोग गए थे प्रदर्शन देखने। अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में सनवाइ हो रही है सचमुच दिनेश फोगाट के साथ अन्याय हुआ है? अब सरकार के समर्थक अंध भक्त देशभक्ति का चादर उड़ने वाले तरह-तरह के टोल कर रहे हैं विनाश विनेश फोगत पर । लेकिन विनाश फोगाट खेल से संन्यास लेने का घोषणा कर पेरिस से वापस लौटी तो दिल्ली हवाई अड्डे पर जिस प्रकार उसका स्वागत किया गया वह अभूतपूर्व था। अगर स्वागत में कोई शामिल नहीं हुआ तो सत्ताधारियों के नेता और खेल मंत्री ।ऐसा स्वागत किसी राजनेता को होते हुए हमने नहीं देखा है। नेताओं के स्वागत के लिए भाड़े पर लोगों को लाया जाता है । लेकिन फोगाट की स्वागत में मानो पूरा हरियाणा दिल्ली राजस्थान सड़कों पर उतर आया है।

अपने इस स्वागत को देखकर फोगाट आंखों के आंसू रोक नहीं पाई। हवाई अड्डा से 25 किलोमीटर गांव तक हजारों - हजार की भीड़ अपना स्नेह लूट रही थी । दर्जनों जगहों पर लोगों ने फोगाट को अपना स्नेह प्रदर्शित किया । जिस प्यार और स्नेहा को देखकर भाव विहवल थी विनेश फोगाट । सच-सच किसी बड़े मेडल से महान होता है जनता का प्यार और स्नेह हरियाणा के लोगों ने जो सम्मान अपने बेटी को प्रदान किया वह ओलंपिक मेडल से कहीं बढ़कर है। इस बात को सिद्ध कर दिया है हरियाणा के लोगों ने । टिकडमी राजनेताओं को यह दृश्य देखकर उनके सीने पर सांप जरूर लोट गया होगा ?

अरविंद विद्रोही जी
बिरसानगर जॉन नंबर 2 रोड नंबर 2 जमशेदपुर 19
मोबाइल 8789 71 8130

आईएफएस की एपीआर नहीं लिख सकेंगे आईएएस अधिकारी-सुप्रीम कोर्ट

इंदौर। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार के उस आदेश को निरस्त करने के लिए कहा है। जिसमें आईएफएस अधिकारियों की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट लिखने का अधिकार भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कार्यवाही तुरंत बंद नहीं की गई,तो सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई करनी पड़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी 29 साल से लंबित टीएन गोदावमर्न के मामले में किया है। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने 3 सप्ताह की मोहलत सुप्रीम कोर्ट से मांगी। सुप्रीम कोर्ट ने 13 सितंबर को अगली सुनवाई होगी। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आईएफएस अधिकारियों की मूल्यांकन रिपोर्ट लिखने का अधिकार भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को हाल ही में दिया था।

इस आदेश के खिलाफ कोई नई याचिका पेश नहीं की गई थी। पुराने मामले में इस आदेश का उल्लेख किया गया। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अपने पुराने आदेश की अवमानना माना है।

कटाक्ष

हमारे नेताजी

नेताजी का भाषण
जैसा पाचक चूरन
नेताजी का इंतजार
प्रेमिका का इजहार
नेताजी के चमचा
रसगुल्ला का सीरा
नेताजी का संवाद
चाशनी की मिठास
नेताजी का वादा
बारिश का नाला
नेताजी का सपना
मुंगेरी जैसा अपना
नेताजी का प्यार
ढोंग का व्यापार
नेताजी का घोटाला
चटपटा हाजमोला
नेताजी के आंसू
घड़ियाल के सासू
नेताजी का चुनाव
सबकुछ लगा दाँव

प्रभुनाथ शुक्ल
ग्राम- हरीपुर, पत्रालय-
अभिया जिला-भदोही, (उप्र)
पिन -221404

महिला डॉक्टरों और नर्सों ने मंत्री श्री विश्वास सारंग को बांधी राखी

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप केस के आरोपियों को फांसी की सजा देने की उठाई मांग

भोपाल, राष्ट्रीय जनभावना।

रविवार को नरेला रक्षाबंधन महोत्सव के तीसरे दिन सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 36,70 व 79 में आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। रक्षाबंधन महोत्सव में महिला डॉक्टरों और नर्सों ने मंत्री श्री सारंग को रक्षा सूत्र बांधे। उन्होंने पश्चिम बंगाल, कोलकाता में आर जी मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के रेप व हत्या के मामले में हस्ताक्षर कर ज्ञापन भी सौंपा। भारी बारिश में भी 40 हजार 328 बहनों ने भैया विश्वास को रक्षासूत्र बांधे।

महिला डॉक्टरों और नर्सों ने बांधी राखी

नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 79 करोंद में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला डॉक्टर और नर्स मंत्री श्री सारंग को रक्षासूत्र बांधने पहुंची। यहां उन्होंने मंत्री श्री सारंग की कलाई पर राखी बांधने के साथ ही कोलकाता के आर जी मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और हत्या के आरोपियों को फांसी की सजा दिए जाने के लिए ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पश्चिम बंगाल की ममता सरकार महिला सुरक्षा में विफल रही है। बेटी के साथ किया गया जघन्य अपराध के बाद भी सरकार उसे इंसाफ दिलाने के स्थान पर दोषियों को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि महिला अपराध के मामले में इस प्रकार के दोषियों को कठोरतम सजा देते हुए समाज में संदेश दिया जाना चाहिए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत किया वृक्षारोपण

मंत्री श्री सारंग ने नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 70 में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव में सम्मिलित होने के पूर्व वार्ड कार्यालय प्रांगण में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण करते हुए अभी से एक पौधा अपनी मां के नाम लगाने की अपील की। उन्होंने प्रकृति संरक्षण के इस अभियान में सभी को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की बात भी कही।

भारी बारिश में भी दिखा बहनों का उत्साह

नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 36, 70 व 79 में भारी बारिश के बावजूद बहनों का उत्साह देखने को मिला। यहां बहनो ने बड़ी संख्या में मंत्री श्री सारंग को रक्षासूत्र बांधे। मंत्री श्री सारंग ने बहनों को उपहार स्वरूप बटुआ, आरती संग्रह और एक पौधा दिया।

बहनों के लिए गाया गीत

यहां हज़ारों की संख्या में पहुंची बहनों के लिये मंत्री श्री सारंग ने 1 हज़ारों में मेरी बहना है गीत भी गाया। इस अवसर पर श्री सारंग के सरल व सहज स्वभाव को देखकर बहनें भावविभोर हो गई। कार्यकम में मथुरा के कलाकारों ने राधा कृष्ण नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति भी दी।

पुष्पवर्षा के साथ हुआ भव्य स्वागत

नरेला रक्षाबंधन महोत्सव में पहुँचने पर क्षेत्रवासियों ने मंत्री श्री सारंग का भव्य स्वागत किया। यहां बहनों ने मंत्री श्री सारंग पर पुष्पवर्षा कर उनका स्नेहिल स्वागत किया। इस अवसर पर जमकर आतिशबाजी भी की गई। वार्ड 70 में आयोजित कार्यक्रम में स्वस्ति वाचन भी किया गया।

मंगलवार को यहां होंगे कार्यक्रम

मंगलवार 27 अगस्त को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 77 देवकी नगर में दोपहर 12 बजे, वार्ड 71 दशहरा मैदान में दोपहर 2 बजे एवं वार्ड 37 खुशीपुरा में शाम 4 बजे रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन किया गया है।

भोपाल ... अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मालवा अंचल में दलित, आदिवासियों की पट्टे की जमीनें नियम विरुद्ध तरीके से बेचने के मामले में रिटायर्ड आईएएस अफसरों पर कार्रवाई के लिए लोकायुक्त को पत्र लिखा है। पटवारी ने मप्र की मुख्य सचिव और लोकायुक्त को पत्र भेजा है। इस पत्र में पटवारी ने नीमच के पूर्व कलेक्टर अजय सिंह गंगवार, रतलाम के पूर्व एसडीएम कैलाश बुंदेला, और आईएएस आरएस थेटे की शिकायत की है। पटवारी ने शिकायत में जिन अफसरों का उल्लेख किया है उनमें अजय सिंह गंगवार, आरएस थेटे रिटायर हो चुके हैं।

पटवारी ने अपने पत्र में लिखा- रतलाम जिले के बाजना सैलाना में भी जनजाति के पट्टों की अनुमति ... रहते हुए, पूर्व कलेक्टर अजय सिंह गंगवार ने मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 181 के अंतर्गत शासकीय पटटे की भूमि अहस्तांतरणीय भूमि को बेचने की थोकबंद 24 अनुज्ञाएं जारी कर दी है। आरसीएमएस की ऑनलॉईन वेबसाईट का अवलोकन करने पर पता चलता है कि कलेक्टर अजय गंगवार ने भू राजस्व संहिता की धारा 165 के अंतर्गत लगभग 100 से अधिक अनुज्ञाएं जारी कर दी हैं। जबकि, उज्जैन व रतलाम जिले के अंतर्गत इस प्रकार की अनुज्ञाएं दिए जाने के मामलों को पूर्व संभागायुक्त एमबी ओझा ने संज्ञान में लेकर मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 32, 50 ए के अंतर्गत पुनरीक्षण में लिया था।

इस प्रकार गंभीर अनियमितता करते हुए मप्र भू राजस्व संहिता की धारा 165 (6) की मूल भावना के अनुरूप अनूसूचित जाति और जनजाति और आदिवासी खातेदारों के हितों का संरक्षण नहीं किया जाकर धारा 165(6) के प्रावधानों का पालन नहीं करते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति और ... दी गई है। ऐसा लेख करते हुए सारी अनुमतियां निरस्त की थी।

कर्ज की आड में शारीरिक शोषण का षडयंत्र

पटवारी ने पत्र में आगे लिखा- इसी प्रकार उज्जैन में आईएएस आरएस थेटे ने जो अनुमतियां दी। आयुक्त अरूण पाण्डेय ने वे भी निरस्त की। रतलाम में एडीएम रहते हुए कैलाश बुंदेला ने जो अनुमतियां दी वे अनुमतियों आयुक्त एमबी ओझा ने निरस्त की । इस प्रकार पहले अनुमति देकर जमीन बिकवाने और बाद में अनुमति निरस्त कर अजा अजजा के गरीब लोगों को कोर्ट कचहरी के केस में लंबे समय तक उलझा कर रखने का षडयंत्र चल रहा है। जिससे, इस वर्ग के लोग अपनी रोजी रोटी छोड़ कर कर्ज के शिकार हो जाएं और इनकी बहू बेटियों से कर्ज की आड़ में विभिन्न प्रकार का शारीरिक एवम मानसिक शोषण कर सकें। जबकि मध्यप्रदेश भू ... है कि भूमि बेचने से विक्रेता (शासकीय पटटेदार) के सामाजिक सांस्कृतिक आर्थिक हितों पर क्या प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस बात की सूक्ष्मता से जांच होना चाहिए थी, किस आयोग की रिपोर्ट के आधार पर यह माना जा रहा है कि अजा अजजा वर्ग के व्यक्तियों की भूमि की विक्रय अनुज्ञा देने से उनके हितो पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा? पटवारी ने पत्र में कार्रवाई की मांग करते हुए लिखा- इन मामलों की जांच कर मध्यप्रदेश में जितने भी कलेक्टरो ने अजा, अजजा वर्ग की पट्टे की जमीन बेचने की अनुमति दी है उन सभी कलेक्टरों की अवैधानिक अनुमतियों को निरस्त करें और कलेक्टरों को जेल भेजें। और आर्थिक क्षतिपूर्ति इन कलेक्टरों की वैध-अवैध संपत्तियां बेचकर की जाए जिससे कि समाज में उदाहरण स्थापित हो सके। प्रभावित दलित आदिवासियों को उनकी जमीन का पट्टा एवं कब्जा वापस देकर जितने में जमीन बिकी उतना मुआवजा भी दिया जाए जिससे उनके आर्थिक हितों पर कुठाराघात ना हो।

दलित वोटों की लड़ाई में सपा-बसपा आमने-सामने

अजय कुमार, लखनऊ

मोदी सरकार ने उच्च पदों पर नौकरियों में सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का अपना एक फैसला क्या वापस लिया, विपक्ष ने इसे मोदी को घेरने का हथियार बना लिया। पूरा विपक्ष अपनी पीठ ठोंक रहा है। पीठ ठोंकने वालों में यूपी के नेता मायावती और अखिलेश यादव सबसे आगे नजर आ रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को तो लगता है कि इससे यूपी की राजनीति की धुरी ही बदल जायेगी। बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई थी कि उनके तीव्र विरोध के बाद सरकार ने सीधी भर्ती वाला निर्णय वापस लिया है। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि पिछले दरवाजे से आरक्षण को नकारते हुए नियुक्तियों की साजिश आखिरकार पीडीए की एकता के आगे झुक गई। मतलब यह है कि फैसला केंद्र ने वापस लिया लेकिन अखिलेश और मायावती खुद इसका क्रेडिट ले रहे हैं। वैसे सियासत इसी को कहा जाता है।

वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि परस्पर विरोधी बसपा और सपा नेताओं के सुर एक जैसे सुनाई पड़ रहे हों, इसी तरह के सुर आरक्षण में वर्गीकरण के मुद्दे पर भी देखने को मिले थे,ज बसपा ने बंद का समर्थन किया तो अखिलेश ने भी तुरंत इसके समर्थन में पोस्ट लिख कर अपना पक्ष रख दियस। बात यहीं तक सीमित नहीं है, आरक्षण से जुड़े हर मुद्दे पर मायावती और अखिलेश लगातार आक्रामक दिख रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि आरक्षण के मुद्दे पर दोनों के सुर एक हैं? या दोनों के बीच एक रेस लगी हुई है कि दलितों और पिछड़ों का ज्यादा हितैषी कौन है? आखिर इस मुद्दे के जरिए मायावती और अखिलेश कौन-सी राजनीति साध रहे हैं?

इस तमाम सवालों का जवाब समझने के लिए पिछले लोकसभा चुनाव से पहले की स्थितियों और नतीजों पर गौर करना जरूरी है। यूं तो संविधान और आरक्षण बसपा का कोर मुद्दा रहे हैं लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव से पहले सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करके पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) का जो नारा और इंडिया गठबंधन में शामिल होकर संविधान की रक्षा का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया था,उसका फायदा जब इंडिया गठबंधन को मिला तो बसपा सुप्रीमों को अपना राजनैतिक भविष्य अंधकार में नजर आने लगा। इससे पहले मायावती को भी यह उम्मीद नहीं थी कि सपा का यह दांव इतना अधिक कारगर होगा। नतीजे आए तो सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटें जीत लीं। साथ में कांग्रेस को भी छह सीटों पर जीत हासिल हुई और बसपा का सफाया हो गया। वोट प्रतिशत भी खिसक कर मात्र करीब साढ़े नौ प्रतिशत पर आ गया। इससे साफ हो गया कि सपा के द्वारा बसपा के दलित वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी कर ली गई है। तब से मायावती की एक ही कोशिश है कि किसी तरह अपना दलित वोटबैंक वापस लाया जाए। इसके लिए मायावती लगातार दलित हितों से जुड़े मुद्दे उठा रही हैं।

इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण पर अपना मत दिया,तो मायावती की उम्मीद को पंख लग गये। मायावती ने तुरंत इस मुद्दे को लपक लिए। सबसे पहले उनकी प्रतिक्रिया आई। इसे पूरी तरह गलत ठहराते हुए उन्होंने भाजपा के साथ ही सपा-कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों को भी घेरना शुरू कर दिया। वह संसद में संविधान संशोधन लाने की मांग पर अड़ गई। इस मुद्दे पर उन्होंने दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सोशल मीडिया के जरिए कई बयान दिए। शुरुआत में कांग्रेस ने इस पर सधी प्रतिक्रिया दी, लेकिन मायावती के आक्रामक रुख को देखते हुए सपा ने भी खुलकर मोर्चा खोल लिया। इसी बीच 69,000 शिक्षक भर्ती का मामला भी उठा,जिस पर सपा और बसपा दोनों ही आक्रामक दिखे। अखिलेश यादव को लगा कि अब यदि चुप रहे तो पिछले लोकसभा चुनाव में जो दलित वर्ग उनके साथ जुड़ा है, कहीं वापस बसपा में न चला जाए। उन्होंने सीधी भर्ती के मामले में 2 अक्टूबर को आंदोलन का ऐलान भी कर दिया। मायावती भी अपने बयानों के जरिए इस मुद्दे पर आक्रामक रूख बनाये हुए हैं।

लब्बोलुआब यह है कि सपा और बसपा नेता लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि दलितों के असली हितैषी वही हैं। बसपा ने लोकसभा चुनाव के बाद कमिटियों का नए सिरे से गठन किया है। उनमें भी साफ झलक देखने को मिली कि दलितों को ज्यादा तवज्जो दी जा रही है। वहीं, अखिलेश यादव भी लोकसभा चुनाव के बाद फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद को आगे बढ़ा रहे हैं।

संसद से लेकर सार्वजनिक मंचों तक वह अवधेश प्रसाद के साथ नजर आते हैं। संसद में भी अवधेश प्रसाद को लोकसभा में अधिष्ठाता मंडल का सदस्य बनवाया गया। मायावती की तरह मंचों से आंबेडकर और कांशीराम का नाम अक्सर लेते हैं।दरअसल, अभी यूपी में विधान सभा उपचुनाव होने हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com